

- अनुसंधान उपलब्धियां
- प्रस्तुत किए गए शोधपत्र/व्याख्यान
- परामर्शी/सलाहकारी सेवाएं
- कॉपीराइट/एमओयू
- गतिविधियों के परिदृश्य
- सम्मेलनों में सहभागिता
- पुरस्कार एवं अभिज्ञान
- कार्मिक
- प्रकाशन
- मानव संसाधन विकास
- शुरु की गई/पूर्ण की गई परियोजनाएं

निदेशक की कलम से

समाचार पत्र के इस अंक में प्रतिवेदित अवधि के दौरान प्रमुख अनुसंधान उपलब्धियों, प्राप्त पुरस्कार एवं अभिज्ञान, संचालित किए गए प्रशिक्षण कार्यक्रमों, कार्यशालाओं और आयोजित/सहभागिता किए गए सम्मेलनों, प्रदान की गई सलाहकार सेवाओं तथा भाकृअनुप-भाकृसांअसं के महत्वपूर्ण प्रकाशनों पर प्रकाश डाला गया है।

संस्थान ने ताप दबाव अनुक्रियाशील माइक्रो आरएनए और उनके लक्षित जीनों की पहचान की, जिनकी गोहूँ में ताप दबाव स्थितियों के तहत दाना भराई के दौरान जीन विनियमन में महत्वपूर्ण भूमिका है। तुलनात्मक ट्रांसक्रिप्टोम विश्लेषण किया गया जिसने खेती करने योग्य मसूर फसल में बीज-आकार से सम्बन्धित विशेषक को विनियमित करने वाले मार्ग को उजागर किया। भाकृअनुप-भाकृअसं के सानिध्य में, हमारे संस्थान ने आईवीआरआई के परिसरों व स्थलों में दी जा रही रेफरल पशुचिकित्सा नैदानिक सेवाओं के विस्तार के रूप में, एक ऑनलाइन पशु चिकित्सा नैदानिक अर्थात वेट क्लिनिक ऐप विकसित किया।



भारत की आजादी का अमृत महोत्सव मनाते हेतु, शिक्षा/अनुसंधान क्षेत्र में साइबर सुरक्षा की आवश्यकताओं पर एक वेबिनार आयोजित किया गया। वार्षिक दिवस समारोह के अवसर पर, डॉ. जी.पी. सामंत, भारत के मुख्य सांख्यिकीविद् ने 'स्थायी विकास लक्ष्य' विषय पर 32वां नेहरू स्मृति व्याख्यान की प्रस्तुति की। इस अवसर पर उन वैज्ञानिकों का भी अभिनंदन किया गया जिन्होंने शोधपत्र 10+ प्रभाव कारक वाले जर्नल में प्रकाशित किए थे। वार्षिक दिवस के अवसर पर कृषि अनुसंधान डेटा पुस्तिका 2022, भाकृअनुप-डेटा केंद्र के आईएसओ प्रमाणपत्रों का विमोचन किया गया और किसान कॉल सेंटर डेटा रिपोजिटरी-हाइपरटेक्स्ट यूजर-इंटरफेस के साथ संकलित ऐतिहासिक रूप से संयोजित ज्ञान आधारित प्रणाली (KCC-CHAKSHU iksVZy: <https://kcc-chakshu.icar.gov.in/>) का लोकार्पण किया गया। संस्थान के कर्मचारीगणों एवं छात्रों ने स्वतंत्रता दिवस और शिक्षक दिवस भी मनाया। हिंदी पखवाड़ा 14-30 सितम्बर, 2022 के दौरान आयोजित किया गया। कुल 45 शोधपत्र., 03 आर पैकेज प्रकाशित किए गए और 01 नई अनुसंधान परियोजना शुरु की गई। हम अपने भूतपूर्व छात्र डॉ. तनुज मिश्रा को सामाजिक विज्ञान में सर्वश्रेष्ठ पीएच.डी. शोधप्रबन्ध के लिए जवाहरलाल नेहरू पुरस्कार और डॉ. ए. आर. राव को भाकृअनुप-रफी अहमद किदवई पुरस्कार प्राप्त करने के लिए बधाई देते हैं। हमें यह सूचित करते हुए प्रसन्नता हो रही है कि माननीय सचिव, डेयर और महानिदेशक, भाकृअनुप ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के स्थापना दिवस के अवसर पर अपने प्रस्तुतीकरण में किसान सारथी, कृतज्ञा हैकथन पोर्टल, स्वच्छ एवं हरित परिसर पुरस्कार पोर्टल एवं कृषि शिक्षा में आईटी प्रणालियों का जिक्र किया। संस्थान ने एक दिवसीय 04 प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से 180 कार्मिकों को प्रशिक्षण दिया, 25 ने हिंदी कार्यशाला में सहभागिता की।

संस्थान के वैज्ञानिकों ने विभिन्न उच्च स्तरीय समितियों में विशेषज्ञ सदस्यों के रूप में सेवा प्रदान करके और प्रतिष्ठित मंचों में आमंत्रित वार्ताओं की प्रस्तुति करके संस्थान का मान व प्रतिष्ठा बढ़ाई है। वैज्ञानिकों ने अन्य संगठनों द्वारा संचालित किए गए विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों में कई व्याख्यान दिए। मुझे आशा है कि इस अंक की विषय-वस्तु आप सभी के लिए सूचनाप्रद एवं उपयोगी होगी। समाचार-पत्र की विषय-वस्तु में सुधार लाने हेतु आपके सुझावों का स्वागत है।

राजेन्द्र प्रसाद

(राजेन्द्र प्रसाद)

अनुसंधान उपलब्धियां

ताप दबाव अनुक्रियाशील सूक्ष्म आरएनए और उनके लक्षित जीनों की पहचान

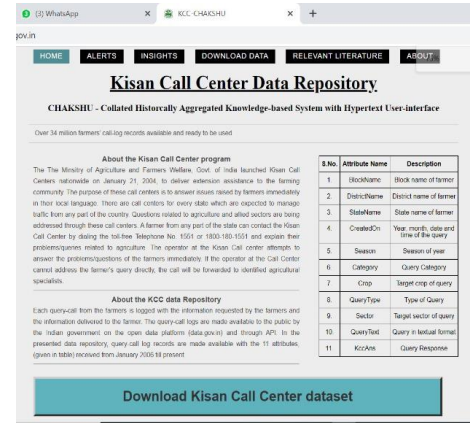
संस्थान ने ताप दबाव-अनुक्रियाशील सूक्ष्म आरएनए (miRNA) तथा उनके लक्ष्य जीनों की पहचान की, जिनका गेहूँ फसल में ताप दबाव स्थितियों के तहत दाना भरने के चरण के दौरान जीन विनियमन में अहम भूमिका होती है। यह महत्वपूर्ण सूचना भिन्न प्रमुख जीनों की भूमिका और उच्च तापमान स्थितियों की स्थिति से सामना होने पर दाना भराई प्रक्रिया को विनियमित करने वाले अभिव्यंजकता पैटर्न के बारे में ज्ञान को समृद्ध करेगी। इस ज्ञान का उपयोग गेहूँ किस्मों में ताप दबाव सहिष्णु जीनों की पहचान, लक्षणवर्णन करने, और प्रजनन रणनीतियां विकसित करने में किया जा सकता है। यह जीन के प्रकार्यों एवं विनियामकों का संवर्धन करती है जिससे गेहूँ में उन्नत ताप सहिष्णु किस्मों की पहचान करने का मार्ग प्रशस्त होगा जो वर्तमान जलवायु परिदृश्य में उत्पादन के लिए अति उपयुक्त होंगी (सीडीयू, भाकृअनुप-आई आई डब्ल्यू बी आर, भाकृअनुप-एनबीआईएम, भाकृअनुप-भाकृसांअसं एवं सीयूएच)।

तुलनात्मक ट्रांसक्रिप्टोम विश्लेषण

तुलनात्मक ट्रांसक्रिप्टोम विश्लेषण किया गया जिसने खेती करने योग्य मसूर (लेन्स कुलिनैरिस मेडिक.) फसल में बीज-आकार से सम्बन्धित विशेषक के विनियमन करने वाले मार्ग व पाथवेज को उजागर किया। यह आश्चर्यजनक था कि जाइलोलुकन एंडोट्रांसग्लुकोसाइलेस जीन को भिन्नात्मक रूप से विनियमित पाया गया, जो बीज विकास के दौरान अपनी भूमिका को इंगित करता है। लेकिन, फसल परिपक्वता चरण पर, सेलुलोस, लिग्निन, और जाइलोस तत्व सहित विभिन्न सेल वाल प्राचलों के संदर्भ में कोई खास अंतर दर्ज नहीं किए गए। मसूर फसल पर यह पहली ऐसी रिपोर्ट है जिसने बीज आकार को विनियमित करने वाले प्रमुख मार्ग व पाथवेज का पता लगाया और विशिष्ट बीज आकारों वाले मूसर जीनप्ररूपों के विकास हेतु सैद्धांतिक मार्ग को उजागर किया (भाकृअनुप-भाकृअसं, सीएसआईआर-केंद्रीय नमक व समुद्री रसायन अनुसंधान संस्थान (सीएसएमसीआरआई), भाकृअनुप-भाकृसांअसं, भाकृअनुप-एनआईपीबी, यूनेस्को क्षेत्रीय जैवप्रौद्योगिकी केंद्र (आर सी बी), भाकृअनुप-एनबीपीजीआर एवं इकार्डी)।

केसीसी.चक्षुरु हाइपरटेक्स्ट यूजर इंटरफेस के साथ संकलित ऐतिहासिक रूप से संयोजित ज्ञान आधारित प्रणाली

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार ने राष्ट्रव्यापी किसान कॉल सेंटर का शुभारंभ किया ताकि खेतिहर समुदाय विस्तार सहायता प्रदान की जा सके। इन कॉल सेंटरों का कार्य कि ये किसानों द्वारा उठाए गए मुद्दों के उत्तर उनकी सम्बन्धित में दें। ये कॉल सेंटर प्रत्येक राज्य में स्थित हैं और इनसे देश किसी भी कौने से पूछे गए प्रश्नों के उत्तर देना एवं उनका प्रबन्ध की अपेक्षा की गई है। कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों से प्रश्नों का समाधान कॉल सेंटरों के जरिए किया जा रहा है। किसानों द्वारा पूछे गए प्रश्न व कॉल (क्वेरी-कॉल) किसानों द्वारा पूछी गई सूचना के रिकॉर्ड होती है और तदुपरांत किसान को सूचना उपलब्ध कराई है। क्वेरी-कॉल लॉग को भारत सरकार द्वारा ओपन डेटा प्लेटफॉर्म (data.gov.in) पर और एपीआई के माध्यम से सार्वजनिक किया जाता है। इस क्वेरी-कॉल का प्रयोग करके, एक ऑनलाइन रिपोजिटरी केकेसी-चक्षु (हाइपरटेक्स्ट यूजर इंटरफेसरू kcc-vhakshu.icar.gov.in) का प्रयोग करके किसान कॉल सेंटर-संकलित ऐतिहासिक रूप से संयोजित ज्ञान आधारित प्रणाली) विकसित की गई जिसका लोकार्पण डॉ. जी. पी. सामंत, भारत के मुख्य सांख्यिकीविद् एवं सचिव, सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 02 जुलाई, 2022 को किया गया। इस डेटा रिपोजिटरी में, 30 लाख से अधिक क्वेरी-कॉल लॉग अभिलेख 11 सूचनाओं के साथ उपलब्ध कराए गए हैं। इन 11 सूचनाओं में किसान का स्थान/लोकेशन (ब्लॉक, जिला एवं राज्य), कॉल करने का समय (वर्ष, महीना, तिथि और कॉल करने का समय, मौसम), किसान द्वारा पूछा गया प्रश्न (प्रश्न की श्रेणी, प्रश्न किस फसल के बारे में पूछा गया, प्रश्न पूछने का लक्षित क्षेत्र/सेक्टर, प्रश्न पूछने का टेक्स्ट फॉर्मेट) तथा जनवरी 2006 से अब तक किसान कॉल सेंटर ऑपरेटर द्वारा उपलब्ध कराए गए



को यह है भाषा के करने इन्हीं प्रत्येक साथ जाती

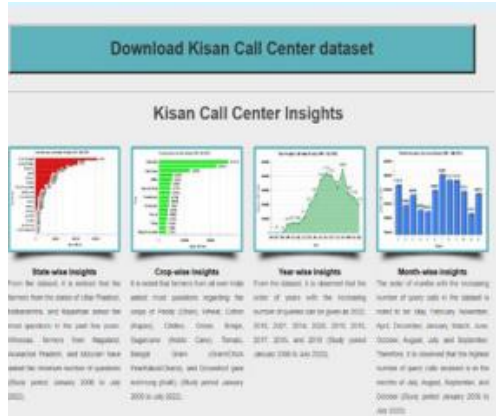
भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.सां.अ.सं. समाचार

खण्ड 27

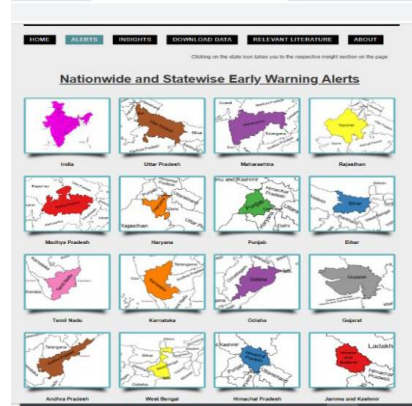
संख्या 3

जुलाई-सितम्बर, 2022

समाधानों पर सूचना सन्निहित है। पोर्टल क्वेरी-काउंट और क्वेरी दर-आधारित सूचनाओं के साथ राष्ट्रव्यापी एवं राज्य-वार अग्रेसरी चेतावनी/अलर्ट से भी सुगमता उपलब्ध करता है। इसके अतिरिक्त, सहायता मांगने पर विभिन्न राष्ट्रव्यापी सूचनाएं भी उपलब्ध कराई गई हैं। उदाहरण के तौर पर, भारत के किसानों द्वारा की गई दूरभाषी कॉल



की राज्य-वार संख्या उपलब्ध कराई गई है। इसी प्रकार से, इस प्लेटफॉर्म के माध्यम से फसल-वार, वर्ष-वार, माह-वार, क्षेत्र-वार, श्रेणी-वार, क्वेरी टाइप-वार, घंटा-वार, और कई सूचनाएं उपलब्ध कराई गई हैं। ये सूचनाएं अन्य कॉल सेंटर्स के लिए सहायक हो सकती हैं और नीति-निर्माताओं को राष्ट्र-स्तरीय संसाधनों को



निदेशित करने में भी मददगार हो सकती हैं।

ऑनलाइन पशुचिकित्सा ऐप विकसित किया गया

भाकृअनुप-आईवीआरआई ने भाकृअनुप-भाकृसांअसं के सानिध्य में एक ऑनलाइन पशुचिकित्सा ऐप यानी वेट ऐप विकसित किया जिसका विमोचन भाकृअनुप-आईवीआरआई के दीक्षांत समारोह में 23 अगस्त, 2022 को किया गया। यह ऐप आईवीआरआई के परिसरों व स्थलों में प्रदान की जा रही विभिन्न रेफरल पशुचिकित्सा सेवाओं का ही एक विस्तार/एक्सटेंशन है: (i) पशु मालिकों को आईवीआरआई पशुचिकित्सा पॉलीक्लिनिक सेवाएं किसी भी समय पर अपने घर से सुगम एवं निर्बाध रूप में प्राप्त होंगी, (ii) पशुचिकित्सा औषधि, शल्यचिकित्सा, प्रजनन, विकृति विज्ञान, परजीव विज्ञान, पोषण, ब्रीडिंग, और प्रबंधन के क्षेत्रों में अग्रणी वैज्ञानिक विशेषज्ञों से परामर्श/सलाह हेतु प्रत्यक्ष पहुंच प्राप्त होगी, (iii) पशुओं के मालिकों को प्राथमिक सूचना उपलब्ध कराने, जैसे कि पशु की आयु, लिंग, और वजन तथा पशुओं के साथ किसान की फोटो एवं वीडियो आईवीआरआई विशेषज्ञों के साथ साझा करने हेतु प्रावधान किए गए हैं ताकि पशु की स्थिति का यथासंभव निदान करने में सहायता मिल सके तथा विकृति हेतु प्रभावकारी प्रेसक्रिप्शन/उपचार सुनिश्चित किया जा सके, और (iv) पशुओं के मालिकों को वॉयस कॉल, वीडियो कॉल, और चैट सहित विशेषज्ञों के साथ बातचीत करने हेतु अति सुगम्य संचार चैनल उपलब्ध हो सके, जिससे पशुओं के मालिकों के मन में बढ़ते मालिकाना भाव का अहसास कराया जा सके। यह मोबाइल ऐप



https://play.google.com/store/apps/details?id=net.iasri.ivri.animalscience.ovcca पर उपलब्ध है।

विकसित आर पैकेज: 04

- 'आईरोकोड': यह पैकेज पंक्ति-स्तंभ अभिकल्पनाओं के सृजन के लिए है। (<https://cran.r-project.org/web/packages/iRoCoDe/index.html>)। "आईरोकोड" का प्रयोग करके अभिकल्पनाओं की एक प्रसूची अर्थात कैटलॉग

20 से अधिक उपचारों के लिए तैयार किया गया। इसके अतिरिक्त, इन अपूर्ण पंक्ति-स्तंभ अभिकल्पनाओं के एक सूचना आव्यूह का एक सामान्य रूप प्राप्त किया गया, और अंतिम एरे की घटक अभिकल्पनाओं के लक्षणवर्णन गुणधर्मों का अध्ययन किया गया। प्राप्त अभिकल्पनाएं मितव्ययी अर्थात् किफायती एवं दक्ष हैं क्योंकि उनके लिए कम परीक्षात्मक संसाधनों की आवश्यकता होती है और उनमें उच्च कैनोनिकल दक्ष कारक होते हैं।

- 'वीएमडीटीडीएनएन': यह पैकेज वेरिएशनल मोड डिकम्पोजिशन (वी एम डी) आधारित काल विलंबी न्यूरल नेटवर्क मॉडल के साथ बहुचर काल श्रृंखला का पूर्वानुमान करता है। (<https://cran.r-project.org/web/packages/vmdTDNN/>)।
- 'वीएमडीएमएल': यह पैकेज भिन्न मशीन लर्निंग मॉडलों के आधार पर वेरिएशनल मोड डिकम्पोजिशन कर अनुप्रयोग है, जो बहुचर काल श्रृंखलाओं का पूर्वानुमान करता है (<https://cran.r-project.org/web/packages/VMDML/>)।
- 'आटो-मौसम-सूचकांक': यह मौसम सूचकांकों का परिकलन करता है (<https://cran.r-project.org/web/packages/AutoWeatherIndices/index.html>)। यह पैकेज उपयोगकर्ता को मौसम चरों से मौसम सूचकांक उपलब्ध कराता है। प्राप्त मौसम सूचकांक किसी भी सांख्यिकीय टूल्स, जैसे कि समाश्रयण विश्लेषण, काल श्रृंखला मॉडल या समाश्रयण फ्रेमवर्क में कोई भी मशीन लर्निंग एल्गोरिदम के कार्यान्वयन के लिए महत्वपूर्ण निविष्टियां अर्थात् इनपुट हैं।

विकसित जैविक.डेटाबेस/सॉफ्टवेयर.टूल: 03

- टाइगर (डेटाबेस) : टिलिटिया इंडिका जीनोमिक संसाधन को <http://backlin.cabgrid.res.in/tiger/> पर निःशुल्क एक्सेस किया जा सकता है।
- डीप ए प्रॉट (सॉफ्टवेयर-टूल): यह अबायोटिक स्ट्रैस प्रोटीन क्लासीफिकेशन टूल है, जो अनाजों में डीप लर्निंग का उपयोग करता है, जो जीवविज्ञानियों अर्थात् बायोलॉजिस्ट को अज्ञात प्रोटीन अनुक्रम को अजैविक दबाव की सम्बन्धित श्रेणी में वर्गीकृत करने में सहायता करता है। इस वेब-सर्वर को <http://login1.cabgrid.res.in:5000/> पर निःशुल्क एक्सेस किया जा सकता है।
- एएसआर प्रो (ऑनलाइन पूर्वानुमान अनुप्रयोग): यह छः अजैविक दबावों यानी शीत, सूखा, ताप, प्रकाश, आक्सीकारक, और लवण से अनुक्रियात्मक जीनों की पहचान करने के लिए संगणनात्मक मॉडल है। पूर्वानुमानों को सपोर्ट वेक्टर मशीन (एस वी एम), रेन्डम फॉरेस्ट, अडेप्टिव बूस्टिंग (ए डी बी), और एक्सट्रीम ग्रेडिएंट बूस्टिंग (एक्स जी बी) का प्रयोग कर प्राप्त किया गया। ऑनलाइन पूर्वानुमान अनुप्रयोग, एएसआर प्रो को जैविक एसआरजी एवं प्रोटीनों के पूर्वानुमान के लिए निःशुल्क उपलब्ध कराया गया है (<https://iasri-sg.icar.gov.in/asrpro/>)।

गतिविधियों के परिदृश्य

आज़ादी का अमृत महोत्सव समारोह : 01 वेबिनार

- शिक्षा/अनुसंधान क्षेत्र में साइबर सुरक्षा की अनिवार्यताएं जिसे श्री रवी बैज, सीएमआईटी सॉल्यूशन्स के अध्यक्ष एवं स्वामी, न्यू जर्सी द्वारा 01 जुलाई, 2022 को आयोजित किया गया।

वार्षिक दिवस

- संस्थान का वार्षिक दिवस 02 जुलाई, 2022 को ऑनलाइन मोड में मनाया गया। डॉ. जी. पी. सामंत, भारत के मुख्य सांख्यिकीविद् एवं सचिव, सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, भारत सरकार समारोह के मुख्य अतिथि थे जिन्होंने स्थायी विकास लक्ष्य शीर्षक पर 32वां नेहरू स्मृति व्याख्यान दिया। प्रोफसर बिकास सिन्हा, पूर्व सदस्य, राष्ट्रीय सांख्यिकी आयोग एवं सेवानिवृत्त प्रोफेसर, भारतीय सांख्यिकी संस्थान, कोलकाता सम्मानित अतिथि थे।

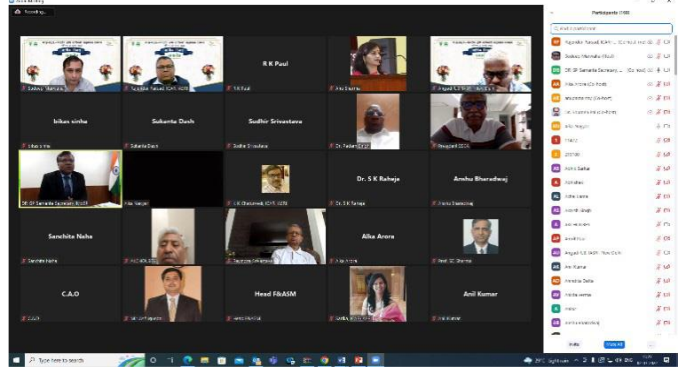
भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.सां.अ.सं. समाचार

खण्ड 27

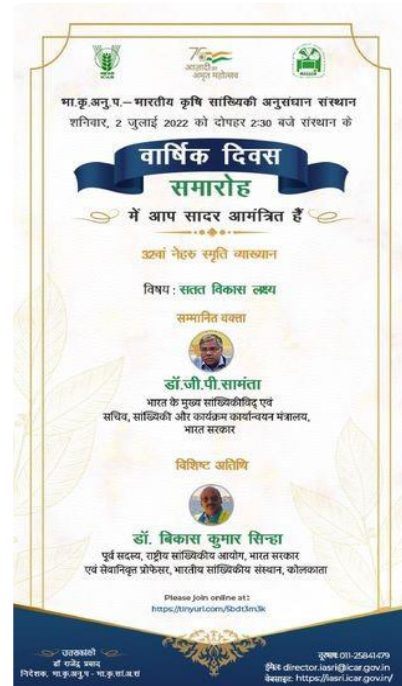
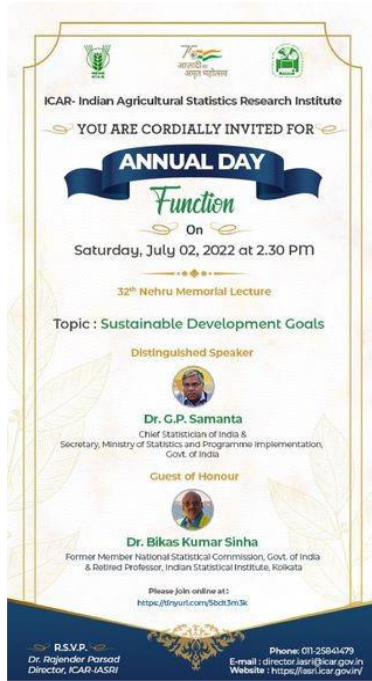
संख्या 3

जुलाई-सितम्बर, 2022

इस अवसर पर कृषि अनुसंधान डेटा पुस्तिका 2022, भाकृअनुप-डेटा सेंटर के आईएसओ प्रमाणपत्र विमोचित किए गए और किसान कॉल सेंटर डेटा रिपोजिटरी - हाइपरटेक्स्ट यूजर-इंटरफेस के साथ संकलित ऐतिहासिक रूप से संयोजित ज्ञान आधारित प्रणाली (केसीसी-चाक्षु पोर्टल: <https://kcc-chakshu.icar.gov.in/>) का शुभारंभ किया गया। निम्नलिखित छात्रों ने सत्र 2019-2021



के लिए सर्वश्रेष्ठ एम.एससी. छात्र के रूप में नेहरू स्मृति स्वर्ण पदक प्राप्त किया: (i) श्री मनोज वर्मा, एम.एससी. (कृषि सांख्यिकी); (ii) सुश्री प्रतीक्षा सुब्बा, एम.एससी. (संगणक अनुप्रयोग) और (iii) श्री बिबेक साहा, एम.एससी. (जैवसूचना विज्ञान)। 10+ आईएफ के साथ जर्नलों में शोध पत्र प्रकाशित करने के लिए निम्नलिखित लेखकों को प्रशंसा प्रमाणपत्र भी दिए गए: (i) डॉ. हुकुम चन्द्र (मरणोपरांत); (ii) डॉ. वंदिता कुमारी और (iii) डॉ. सुधीर श्रीवास्तव।



स्वतंत्रता दिवस

— संस्थान ने 15 अगस्त, 2022 को स्वतंत्रता दिवस मनाया। डॉ. राजेन्द्र प्रसाद, निदेशक ने भाकृअनुप-भाकृसांअसं, नई दिल्ली में राष्ट्रीय ध्वज फहराया और कर्मचारीगणों एवं छात्रों को संबोधित किया। छात्रों और संकाय सदस्यों ने इस अवसर पर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया।

शिक्षक दिवस समारोह

— संस्थान ने 05 सितम्बर, 2022 को शिक्षक दिवस हाइब्रिड मोड में मनाया (ऑफलाइन एवं ऑनलाइन, दोनों माध्यम में)। डॉ. (श्रीमती) पंकज मित्तल, महासचिव, भारतीय विश्वविद्यालय संघ ने शिक्षक दिवस व्याख्यान की प्रस्तुति की; डॉ. मुरारी सिंह, पूर्व वरिष्ठ बायोमेट्रिसियन, इकार्डा को अभिप्रेरक शिक्षक के रूप में सम्मानित किया गया। डॉ. आर. सी. अग्रवाल, उप महानिदेशक (कृषि शिक्षा), भाकृअनुप ने समारोह की अध्यक्षता की। छात्रों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया और मनमोहक रंगोली के साथ विभिन्न भवनों की सजावट की।



भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.सां.अ.सं. समाचार

खण्ड 27

संख्या 3

जुलाई-सितम्बर, 2022

हिंदी पखवाड़ा

वर्ष 2022 के दौरान संस्थान में आयोजित हिंदी पखवाड़ा की रिपोर्ट

संस्थान में 14 से 30 सितम्बर, 2022 के दौरान हिंदी पखवाड़े का आयोजन किया गया। इस वर्ष हिंदी पखवाड़े का उद्घाटन हिंदी दिवस एवं दूसरे अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन के अवसर पर 14 सितम्बर, 2022 को गुजरात के सूरत में श्री अमित शाह, माननीय गृह एवं सहकारिता मंत्री द्वारा किया गया जिसमें संस्थान से हिंदी एकक के प्रभारी श्री उदय वीर सिंह तथा मुख्य वित्त एवं लेखा अधिकारी, श्री केवल कुमार शर्मा ने सहभागिता की। हिंदी पखवाड़े का आयोजन एवं उससे संबंधित प्रतियोगिताएं 17 से 29 सितम्बर, 2022 के दौरान संस्थान में आयोजित की गईं। काव्य पाठ प्रतियोगिता का आयोजन 17 सितम्बर, 2022 को किया गया।



हिंदी पखवाड़े के दौरान डॉ. दरोगा सिंह स्मृति व्याख्यान के साथ-साथ वैज्ञानिक प्रभागों में हिंदी में सर्वाधिक वैज्ञानिक कार्य करने के लिए प्रभागीय चल- शील्ड, डिजिटल हिंदी शोध-पोस्टर प्रस्तुति प्रतियोगिता, डिजिटल हिंदी पोस्टर प्रस्तुति प्रतियोगिता, हिंदी श्रुतलेख तथा हिंदीतर कर्मियों के लिए शब्दार्थ लेखन प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं। सभी प्रतियोगिताओं में संस्थान के विभिन्न वर्ग के कर्मियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। संस्थान में प्रत्येक वर्ष हिंदी दिवस के अवसर पर डॉ. दरोगा सिंह स्मृति व्याख्यान का आयोजन किया जाता है। इस कड़ी का इकत्तीसवाँ व्याख्यान

सिम्बायोसिस यूनिवर्सिटी ऑफ एप्लाइड साइंसिस, इंदौर के कुलपति डॉ. पृथ्वी पाल यादव जी द्वारा दिया गया और इस कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के निदेशक महोदय डॉ. राजेन्द्र प्रसाद द्वारा की गई। 30 सितम्बर, 2022 को हिंदी पखवाड़ा के समापन समारोह के अवसर पर इन प्रतियोगिताओं के सफल प्रतियोगियों के साथ साथ वर्ष 2021-22 के लिए सरकारी काम-काज मूल रूप से हिंदी में करने के लिए प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत भी नकद पुरस्कारों की घोषणा की गई। इसके अतिरिक्त, इस अवसर पर अगस्त, 2021 से अगस्त, 2022 तक की अवधि के दौरान संस्थान में आयोजित हिंदी कार्यशालाओं के वक्ताओं को प्रशस्ति-पत्र प्रदान किए जाने की भी घोषणा की गई।



भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.सां.अ.सं. समाचार

खण्ड 27

संख्या 3

जुलाई-सितम्बर, 2022



कार्यशालाओं/वेबिनार/ बैठकों आदि का आयोजन

अनुसंधान सलाहकार समिति की बैठक

अनुसंधान सलाहकार समिति (आरएसी) की 21वीं बैठक 23 अगस्त, 2022 को आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रोफेसर बिकास के. सिन्हा, पूर्व प्रोफेसर सांख्यिकी, भारतीय सांख्यिकी संस्थान, कोलकाता एवं पूर्व सदस्य, राष्ट्रीय सांख्यिकी आयोग, भारत सरकार द्वारा की गई। प्रोफेसर के. मुरलीधरन, सांख्यिकी विभाग, विज्ञान संकाय, महाराजा सायाजीराव बरौदा विश्वविद्यालय, वडोदरा, गुजरात; डॉ. इन्द्रानिल मुखोपाध्याय, प्रोफेसर, मानव आनुवंशिक एकक, भारतीय सांख्यिकी संस्थान, कोलकाता; डॉ. मौसम, प्रोफेसर, जय गुप्ता चेरर, संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली; डॉ. पी. एस. पांडे, सहायक महानिदेशक (शिक्षा नियोजन एवं गृह विज्ञान), भाकृअनुप, नई दिल्ली; डॉ. राजेन्द्र प्रसाद, निदेशक, भाकृअनुप-भाकृसांअसं, नई दिल्ली सदस्य इस अवसर पर सदस्य के रूप में उपस्थित थे। डॉ. अजीत ने सदस्य सचिव के रूप में बैठक का आयोजन किया। प्रभागाध्यक्षों तथा शिक्षण से जुड़े प्रोफेसर भी आमंत्रित सदस्यों के रूप में उपस्थित थे।

सर्वप्रथम, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद, निदेशक, भाकृअनुप-भाकृसांअसं ने अनुसंधान सलाहकार समिति (आरएसी) के सभी सदस्यों का स्वागत किया। उन्होंने आरएसी के सभी गणमान्य सदस्यों के संक्षिप्त जीवन-वृत्त का भी प्रस्तुतीकरण किया। तत्पश्चात, प्रोफेसर बिकास सिन्हा, अध्यक्ष ने अनुसंधान सलाहकार समिति के सभी सदस्यों का और अन्य आमंत्रित सदस्यों का स्वागत किया। प्रोफेसर सिन्हा ने संस्थान के सभी वैज्ञानिकों को बधाई दी जिन्होंने पिछली आरएसी की सिफारिशों के अनुपालन की दिशा में कार्य किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि संस्थान के अनुसंधान कार्यक्रम भारत सरकार के कार्यक्रमों के अनुरूप होने चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि यद्यपि कुछ परियोजनाएं एसडीजी (स्थायी विकास लक्ष्यों) से संबद्ध हैं, फिर भी अनुसंधान परियोजनाओं को एसडीजी लक्ष्यों से संबद्ध करने पर अधिक बल दिया जाना चाहिए।

संस्थान के अनुसंधान एवं विकास क्रियाकलापों की प्रस्तुति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद द्वारा सन् 1930 में स्थापना के बाद प्राप्त उपलब्धियों के बारे में एक संक्षिप्त विवरण के साथ की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि संस्थान ने प्राथमिक अनुसंधान के माध्यम से कई सांख्यिकीय पद्धतियाँ विकसित की हैं जिन्हें राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान शिक्षा प्रणाली (एन ए आर ई एस) और कई अफ्रीकी एवं लेटिन अमेरिकी देशों द्वारा बड़े पैमाने पर अंगीकृत किया जा रहा है। संस्थान की कुछ प्रमुख उपलब्धियाँ निम्न प्रकार हैं।

- दक्ष एवं मितव्ययी परीक्षण अभिकल्पनाएं, फसल सुधार कार्यक्रमों, प्रजनन परीक्षणों, खाद्य प्रसंस्करण, सस्योत्तर भंडारण एवं मूल्यवर्धन, फसल अनुक्रम परीक्षणों, कृषिवानिकी परीक्षणों, बहु-चरणीय परीक्षणों के लिए अभिकल्पनाओं, उन परीक्षणों जिनमें करकों के स्तर को परिवर्तित करना कठिन है, कृत्रिम रूप से सृजित पर्यावरणों, संसाधन

भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.सां.अ.सं. समाचार

खण्ड 27

संख्या 3

जुलाई-सितम्बर, 2022

संरक्षण प्रौद्योगिकियों के लिए किसानों की भागीदारी में अनुसंधान परीक्षणों, मिश्रणों के साथ परीक्षणों तथा एकीकृत कृषि प्रणाली अनुसंधान (ऑन स्टेशन एवं ऑन फार्म परीक्षण, दोनों) सहित कई एआईसीआरपी केंद्रों के नियोजन, डिजाइनिंग एवं विश्लेषण, मृदा परीक्षण फसल अनुक्रिया, दीर्घकालिक उर्वरक परीक्षणों, सब्जी फसलों, सब्जी, लघु श्रीअन्नों, मक्का, तिलहनों, आदि के संदर्भ में एकल कारक एवं बहु-कारक परीक्षणों, दोनों, के लिए परीक्षणात्मक डेटा तथा उनके नवोन्मेषी अनुप्रयोग विकसित किए गए। सलाहकार सेवाओं के माध्यम से किए गए प्रयासों से हितधारकों द्वारा दक्ष अभिकल्पनाओं तथा उन्नत सांख्यिकीय विश्लेषणात्मक तकनीकों का अंगीकरण सुनिश्चित हुआ।

- सैन्य डेयरी फार्म डेटा से शुरु करते हुए आनुवंशिक प्राचलों के आकलन की कार्यविधि; चयन सूचकांकों का निर्माण; जी x ई अन्वोन्यक्रियाओं के लिए कार्यविधियां; संतति परीक्षण एवं प्रजनक का मूल्यांकन; क्यूटीएल की खोज; आणविक मार्कर डेटा का प्रयोग करके जीनप्ररूपों का वर्गीकरण; जीनप्ररूपी पर्यावरण एवं क्यूटीएल पर्यावरण अन्वोन्यक्रियाओं के लिए कार्यविधियां, आदि विकसित की गईं। आनुवंशिक प्राचलों के आकलन की कार्यविधियों को असंतुलित डेटा के प्रभाव, आपटलायर्स की मौजूदगी, अस्पष्ट प्रेक्षणों एवं डेटा सेटों की गैर-प्रसामान्यता के प्रभाव को समाकलित करने का भी सुझाव दिया गया।
- पूर्वानुमान फसल उपज मॉडल, नाशीजीवों एवं रोगों की पूर्वचेतावनी के मॉडल, अरैखिक मॉडल, संरचनात्मक काल श्रृंखला, न्यूरल नेटवर्क, मशीन लर्निंग एल्गोरिदम, ऐरिमेक्स, लासो, बेसियन एवं रेन्डम फॉरेस्ट, आदि के संदर्भ में मॉडल विकसित किए गए। मौसम सूचकांक आधारित मॉडलों का प्रयोग भारतीय मौसम विज्ञान विभाग द्वारा भारत सरकार के फसल (FASAL) कार्यक्रम के लिए किया गया। सरसों फसल में ऐफिड के लिए इंटरनेट-आधारित पूर्वचेतावनी प्रणाली को तत्कालीन राष्ट्रीय तोरिया एवं सरसों अनुसंधान केंद्र, भरतपुर द्वारा सफलतापूर्वक अंगीकृत किया गया। एक डब्ल्यू.आई.ए.वाई.एफ.एस. (मौसम सूचकांक आधारित स्वचालित उपज पूर्वानुमान प्रणाली) वेब टूल विकसित किया गया। विकसित किए गए सांख्यिकीय मॉडलों को खाद्यान्न उत्पादन, ऐफिड की समष्टि, समुद्री मछली उत्पादन, आदि के दीर्घकालिक अनुमानों में प्रयोग करने की संभावना है।
- क्रॉप कटिंग परीक्षणों (सीसीई) के माध्यम से फसल उपज आकलन के लिए प्रतिचयन पद्धति विकसित की गई (जिसे सामान्य फसल आकलन सर्वेक्षणों में सफलतापूर्वक अंगीकृत किया गया; अफ्रीकी एवं लेटिन अमेरिकी देशों में बड़े पैमाने पर अंगीकृत किया गया रहा है); प्रमुख फसलों एवं जिंसों अर्थात् कमोडिटी की फसल कटाई एवं उसके उपरांत हानियों के आकलन की पद्धति विकसित की गई जिसे सस्योत्तर प्रौद्योगिकी पर एआईसीआरपी में सफलतापूर्वक अंगीकृत किया गया और जिन्हें खाद्य प्रसंस्करण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा स्वीकारित किया गया है। बागवानी फसलों (फलों एवं सब्जियों) की सस्योत्तर हानियों के आकलन, पशुधन (मौस एवं दूध) और मछली उत्पादन के आकलन की पद्धतियां विकसित की गईं जिन्हें मैक्सिको, जाम्बिया, नेपाल एवं थायलैंड में खेतों में टेस्ट किया जा रहा है और जिन्हें खाद्य एवं कृषि संगठन (एफ ए ओ) और संयुक्त राष्ट्र (यू एन) के सदस्य देशों द्वारा स्वीकारित किया गया है; मिश्रित, पुनरावृत्तीय एवं निरंतर फसलीकरण के तहत फसल क्षेत्र, उपज और उत्पादन के आकलन की पद्धति विकसित की गई जिसे इंडोनेशिया, रवांडा एवं जमैका में खेत में टेस्ट किया जा रहा है और जिन्हें एफएओ द्वारा स्वीकारित किया गया है; किसानों के स्तर पर निजी खाद्यान्न भंडार का आकलन; बागवानी फसलों के क्षेत्र एवं उत्पादन के आकलन की वैकल्पिक पद्धति विकसित की गई जिसे कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय (एमओए एवं एफ डब्ल्यू) द्वारा स्वीकारित किया गया है और हरियाणा में अंगीकृत किया गया है; सुदूर संवेदन डेटा का प्रयोग करके उत्तर-पूर्वी पर्वतीय क्षेत्रों में भिन्न फसलों के बहु फसल क्षेत्रफल के आकलन के लिए एकीकृत पद्धति विकसित की गई जिसे मेघालय, त्रिपुरा एवं उत्तर-पूर्वी राज्यों में अंगीकृत किया गया है; द्वि प्रतिचयन उपागम का प्रयोग करके कपास उत्पादन के आकलन की पद्धति विकसित की गई जिसे सभी नौ प्रमुख कपास उत्पादक राज्यों में अंगीकृत किया गया; विषम डेटा, स्थानिक गैर-अप्रगामी, और अन्य सहित लघु क्षेत्र आकलन तकनीकें विकसित की गईं।
- पीएमएफबीवाई (प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना) के लिए जीपी (ग्राम पंचायत) स्तर पर आकलन उपलब्ध कराने के लिए प्रौद्योगिकियों एवं सीसीई परीक्षणों का एकीकरण किया गया।

भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.सां.अ.सं. समाचार

खण्ड 27

संख्या 3

जुलाई-सितम्बर, 2022

- सांख्यिकी पैकेज एवं सॉफ्टवेयर विकसित किए गए: (i) एसपीएआर: कृषि अनुसंधान डेटा विश्लेषण के लिए सांख्यिकीय पैकेज, (ii) एसपीएडी: संवर्धित अभिकल्पनाओं के लिए सांख्यिकीय पैकेज, (iii) एसपीएफई: बहुउपादनी परीक्षणों के लिए सांख्यिकीय पैकेज, (iv) एसपीबीडी: संतुलित अपूर्ण ब्लॉक अभिकल्पनाओं के लिए सांख्यिकीय पैकेज, (v) एसपीएबी: पशु प्रजनन के लिए सांख्यिकीय पैकेज और (vi) एसएसडीए: सर्वेक्षण डेटा विश्लेषण के लिए सॉफ्टवेयर।
- आर-पैकेज : 30 से अधिक आर-पैकेज विकसित किए गए जिनके 10000 से अधिक डाउनलोड हो चुके हैं।
- ई-लर्निंग एवं ई-एडवाइजरी के लिए वेब संसाधन: डिजाइन रिसोर्स सर्वर; प्रतिदर्श सर्वेक्षण संसाधन सर्वर का प्रयोग पूरी दुनिया में किया जा रहा है; भारतीय एनएआरएस सांख्यिकी संगणन पोर्टल के माध्यम से सेवा उन्मुख संगणन पोर्टल को एनएआरईएस से प्रतिदिन में 200 से अधिक लॉग-इन उपयोगकर्ता प्रयोग कर रहे हैं। एआईसीआरपी केंद्रों के लिए सूचना प्रणालियां विकसित की गईं जो अनुसंधान डेटा रिपोजिटरी के रूप में कार्य कर रही हैं। विश्लेषण एवं रिपोर्टों का मानकीकरण किया गया।
- ज्ञान प्रबंधन के लिए केंद्रीकृत अनुसंधान डेटा रिपोजिटरी के रूप में, KRISHI पोर्टल (कृषि ज्ञान संसाधन और नवोन्मेष के लिए सूचना प्रणाली) विकसित किया गया (जिसे मैती, भारत सरकार द्वारा गोल्ड आइकॉन अवार्ड के रूप में अभिज्ञानित किया गया है)।
- संस्थान में स्थापित राष्ट्रीय कृषि जैवसंगणन पोर्टल उच्च निष्पादन संगणन (एच पी सी) सुविधा हेतु एक सिंगल प्वाइंट ऐक्सेस के रूप में और एनजीएस के लिए जीनोम असेम्बली एवं आटोमेशन टूल्स हेतु एल्गोरिदम के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। 60 से अधिक जैविकीय डेटाबेस/ सर्वर/ प्रणालियां/ पूर्वानुमान टूल विकसित किए गए।
- भाकृअनुप डेटा सेंटर और भाकृअनुप-डीआर (आपदा रिकवरी) स्थापित की गई जिसमें प्रमाणित आईटी सेवा प्रबंधन प्रणाली (आईएसओ/आईईसी 20000-1:2011) और एकीकृत संचार एवं "icar.gov.in" डोमेन के साथ वेब होस्टिंग सेवाएं सन्निहित हैं। इसमें भाकृअनुप क्लाउड इन्फ्रास्ट्रक्चर एवं सर्विसिस: KRISHI MEGH भी सन्निहित हैं। विभिन्न मोबाइल ऐप विकसित किए गए जिनके 50000 और 10000 से अधिक डाउनलोड किए जा चुके हैं। **केवीके-पोर्टल एवं मोबाइल ऐप** (वर्तमान में, 677 कृषि विज्ञान केंद्र देशभर में पंजीकृत हैं; अटारी केंद्र इस पोर्टल का प्रयोग करके कृषि विज्ञान केंद्रों के क्रियाकलापों की निगरानी करते हैं, और पोर्टल को **20 लाख** से अधिक लोगों द्वारा देखा व अवलोकित किया गया है); **शिक्षा पोर्टल** (जिसे एनएआरईएस में छात्रों आथर संकाय सदस्यों द्वारा उपयोग किया जा रहा है, इसे पिछले तीन वर्षों में 17,93,500 से अधिक लोगों द्वारा देखा गया है); **KRISHI-पोर्टल** (ओपन गवर्मेंट डेटा प्लेटफॉर्म एवं डिजिटल-इंडिया कार्यक्रम में सहायता देने हेतु केंद्रीय अनुसंधान डेटा रिपोजिटरी; भाकृअनुप ने गोल्ड आइकॉन पुरस्कार प्राप्त किया; **किसान-सारथी**: कृषि-सूचना संसाधन आटो-ट्रांसमिशन एवं टेक्नोलॉजी हब इंटरफेस प्रणाली विकसित की गई जिसके माध्यम से किसानों का दो तरफा आदान-प्रदान होता है); अकादमिक प्रबंधन प्रणाली को 52 कृषि विश्वविद्यालयों में प्रयोग किया जा रहा है।
- भाकृअनुप-भाकृसांअसं के वैज्ञानिक समुदाय को कई राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है, जिनमें विशेष रूप से सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, भारत सरकार से प्रोफेसर पी. वी. सुखात्मे राष्ट्रीय पुरस्कार (कई वर्षों में पांच पुरस्कार विजेता), रफी अहमद किदवई पुरस्कार (तीन पुरस्कार विजेता), सी. आर. राव के सम्मान में सांख्यिकी में राष्ट्रीय पुरस्कार (दो पुरस्कार विजेता), आईएनएस-अध्येतावृत्ति (दो पुरस्कार विजेता), भाकृअनुप-राष्ट्रीय प्रोफेसर (एक पुरस्कार विजेता), भाकृअनुप-राष्ट्रीय-अध्येतावृत्ति (तीन पुरस्कार विजेता), सामाजिक विज्ञान में एनएएएस युवा वैज्ञानिक पुरस्कार (तीन पुरस्कार विजेता), सामाजिक विज्ञान में एनएएएस से रिकॉग्निशन पुरस्कार (दो पुरस्कार विजेता), एनएएएस-अध्येतावृत्ति (बारह पुरस्कार विजेता), एन ए ए एस एसोसिएटशिप (चार पुरस्कार विजेता), लाल बहादुर शास्त्री युवा वैज्ञानिक पुरस्कार (पांच पुरस्कार विजेता), पीएच.डी. शोधप्रबन्ध के लिए जवाहरलाल नेहरू पुरस्कार (पांच पुरस्कार विजेता), सी. सुब्रामणियन भाकृअनुप सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार (दो

भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.सां.अ.सं. समाचार

खण्ड 27

संख्या 3

जुलाई-सितम्बर, 2022

पुरस्कार विजेता), आईएआरआई सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार (आठ पुरस्कार विजेता) और कई अन्य सोसायटियों से युवा-वैज्ञानिक पुरस्कार शामिल हैं।

— उन्होंने संस्थान की अनुसंधान, शिक्षण एवं प्रशिक्षण गतिविधियों का भी प्रस्तुतीकरण किया और संस्थान की महत्वपूर्ण अनुसंधान उपलब्धियों (पिछले दो वर्षों के दौरान) को संक्षेप में बताया। आरएसी के सदस्यों ने अनुसंधान, शिक्षण, प्रशिक्षण, सलाहकार सेवाओं और ई-शासन सेवाओं के क्षेत्रों में संस्थान द्वारा दिए गए योगदानों और उसकी उपलब्धियों की पुरजोर प्रशंसा की। संस्थान के अनुसंधान, शिक्षण एवं प्रशिक्षण गतिविधियों पर दिन भर हुई चर्चाओं, प्रस्तुतीकरणों और चर्चाओं से, निम्नलिखित कार्य बिंदु/सिफारिशें उभरकर आईं:

1. संस्थान को चाहिए कि वह संस्थान के (क) वेबसाइट के कन्टेंट, सोशल-मीडिया-पोस्टिंग, भाकृअनुप-भाकृसांअसं विकीपीडिया पेज आदि के लुक एवं फील की दृश्यता को बढ़ाए, (ख) प्रकाशित शोध पत्रों के प्रभाव कारक को प्रसारित करे, एच-इंडेक्स, छात्रों का नियोजन, संस्थान की अनुसंधान, शिक्षण एवं प्रशिक्षण गतिविधियों के प्रभाव के पहलुओं का अध्ययन करे।
2. संस्थान को निम्नलिखित दो कार्यशालाएं आयोजित करनी चाहिए, यानी (i) प्रोफे. बिकास सिन्हा के परामर्श एवं मार्गदर्शन में "मेटा-डेटा-विश्लेषण" और (ii) प्रोफे. इन्द्रानिल मुखोपाध्याय और अन्य सदस्यों के परामर्श एवं मार्गदर्शन के तहत "डेटा-एकीकरण"।
3. दीर्घकालिक उर्वरक परीक्षणों (एलटीएफई) से डेटा के आधार पर, उर्वरक सिफारिशों के संदर्भ में नीति पत्र, जैविक खेती, और विभिन्न परीक्षण और सर्वेक्षणों को एलटीएफई से मृदा डेटा सहित यथासंभव संचालित किया जाना चाहिए।
4. कृत्रिम आसूचना पर उद्यमशीलता वर्चुअल केंद्र पर प्रस्ताव तैयार किया जाए और यथासंभव क्रियान्वित किया जाए।
5. दीर्घकालिक उर्वरक परीक्षण डेटा के आधार पर उर्वरक, जैविक खेती, और विभिन्न परीक्षणों एवं सर्वेक्षणों पर नीति सार-संक्षेप अर्थात पॉलिसी पेपर यथाशीघ्र प्रकाशित किया जाना चाहिए जिसमें दीर्घकालिक उर्वरक परीक्षणों से मृदा से सम्बन्धित डेटा शामिल हो।
6. भाकृअनुप-भाकृअसं को डेटा साइंस में पीजी डिप्लोमा/डिप्लोमा शुरु करना चाहिए।
7. कृषि फसलों/ पशुओं पर अगेती चेतावनियों के लिए इकोसिस्टम विकसित किया जाए।

अन्य बैठकें

- किसान सारथी में कृषि विज्ञान केंद्रों के मुद्दों के समाधान करने, उनसे प्रतिक्रिया प्राप्त करने, उनके कार्यकरण में सुधार एवं सुदृढ़ीकरण के लिए बैठकें आयोजित की गईं।
- फार्म मशीनरी पर परिशुद्ध कृषि के बारे में संस्थान के निदेशक के साथ एक बैठक में सहभागिता की और उसकी सह-अध्यक्षता की। बैठकों का आयोजन 25 अगस्त, 2022 को भाकृअनुप-सीआईईई, भोपाल में तथा 26 अगस्त, 2022 को भाकृअनुप-आईआईएसएस, भोपाल में किया गया (अनिल राय)।

प्रस्तुत किए गए सेमिनार

- कृषि सांख्यिकी, संगणक अनुप्रयोग एवं जैवसूचना विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में कुल 48 सेमिनार प्रस्तुत किए गए जिनमें नए परियोजना प्रस्तावों, पूर्ण की गई अनुसंधान परियोजना के मुख्य निष्कर्षों के प्रस्तुतीकरण और वैज्ञानिकों द्वारा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्राप्त प्रशिक्षण, कृषि सांख्यिकी, संगणक अनुप्रयोग और जैवसूचना विज्ञान विषयों व शाखाओं में एम.एससी. एवं पीएच.डी. के छात्रों के पाठ्यक्रम/ शोध प्रबन्ध/ ओआरडब्ल्यू सेमिनार शामिल हैं। श्रेणी-वार विवरण निम्न प्रकार है:

भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.सां.अ.सं. समाचार

खण्ड 27

संख्या 3

जुलाई-सितम्बर, 2022

| श्रेणी | सेमिनार की प्रकृति | संख्या |
|-----------|----------------------|--------|
| वैज्ञानिक | परियोजना की पूर्णता | 5 |
| | नए परियोजना प्रस्ताव | |
| | विदेशी छात्र | |
| | सामान्य | |
| छात्र | पाठ्यक्रम | 20 |
| | ओआरडब्ल्यू | 9 |
| | शोधप्रबन्ध | 14 |
| कुल | | 48 |

प्रकाशन

शोध पत्र

1. आलम के, विश्वास डी के, भट्टाचार्य आर, दास डी, सुमन ए, दास टी के, पॉल आर के, घोष ए, सरकार ए, कुमार आर एवं चावला जी (2022)। रीसाइक्लिंग ऑफ सिलिकॉन-रिच एग्रो-वेस्ट्स बाइ देयर कम्बाइन्ड एप्लीकेशन विद फॉस्फेट सोल्यूबिलाइजिंग माइक्रोब टू सोल्यूबिलाइज द नेटिव सॉइल फॉस्फोरस इन ए सब-ट्रॉपिकल अल्फिसोल। *जर्नल ऑफ एनवायर्नमेंटल मैनेजमेंट*, **318**, 115559.
2. बाना आर एस, डावर आर, हलधर एस एम, गोदारा एस, सिंह ए, बंबोरिया एस डी, कुमार वी, मिश्रा ए के एवं चौधरी एम (2022)। नेचुरल फार्मिंग : इज आईटी सेफ टू मार्च अहेड? *जर्नल ऑफ एग्रीकल्चर एंड इकोलॉजी*, **14**, 1-11.
3. विश्वास बी, चक्रवर्ती डी, तिमिसिना जे, रे बी जे, घोष डी के, सरकार ए, मंडल एम, भौमिक यू आर, अधिकारी एस, कंथल एस, पात्रा के, प्रसाद आर, महापात्रा बी के (2022)। एग्रोफॉरेस्ट्री ऑफर्स मल्टीपल इकोसिस्टम सर्विसिस इन डिग्रेडेड लेटरिटिक सॉइल्स। *जर्नल ऑफ क्लीनर प्रोडक्शन*, **365**, 132768. <https://doi.org/10.1016/j.jclepro.2022.132768>
4. चौधरी एस के, पात्रा ए, डे पी, बाल एस के, गोरंतीवार एस एवं प्रसाद आर (2022)। सेंसर बेस्ड मॉनिटरिंग फॉर इम्प्रूविंग एग्रीकल्चरल प्रोडक्टिविटी एंड सस्टेनेबिलिटी – ए रिव्यू। *जर्नल ऑफ द इंडियन सोसाइटी ऑफ सॉयल साइंस*, **70(2)**, 121-141. <https://krishi.icar.gov.in/jspui/handle/123456789/74683>
5. दास एस, प्रधान यू, एवं राय एस एन (2022)। फाइव इयर्स ऑफ जीन नेटवर्क्स मॉडलिंग इन सिंगल-सेल आर.एन. ए-सीक्वेंसिंग स्टडीज: करंट एप्रोचिज एंड आउटस्टैंडिंग चैलेंजिज। *करंट बायोइन्फॉर्मेटिक्स*, **17(10)**, 888-908. <https://doi.org/10.2174/1574893617666220823114108>
6. डे एस एस, शर्मा पी, दास एम. ए., जयसवाल एस, बेहरा टी के, कुमारी के, बूपालकृष्णन जी, इकबाल एम ए, भट्टाचार्य आर सी, राय ए एवं कुमार डी (2022)। जीनोम वाइड आइडेंटिफिकेशन ऑफ आईएनसी आरएनए एंड सिक आएनए हैविंग रेगुलेटरी रोल इन फ्रूट शेल्फ लाइफ इन हेल्थ क्रॉप कुकुम्बर (*क्यूकुमिस सैटिवस* एल.)। *क्रॉटियर्स इन प्लांट साइंस*, **13**, 884476. <https://doi.org/10.3389/fpls.2022.884476>
7. दत्ता एच, मिश्रा जी पी, अस्की एम एस, बोसामिया टी सी, मिश्रा डी सी, भाटी जे, सिन्हा एस के, विजय डी, मंजूनाथ पी सी टी, दास एस, पवार पी एम, कुमार ए, त्रिपाठी के, कुमार आर आर, यादव डी के, कुमार एस एवं दीक्षित एच के (2022)। कम्पेरेटिव ट्रांस्क्रिप्टोम एनालिसिस, अनफोल्डिंग द पाथवेज रेगुलेटिंग द सीड-साइज ट्रेट इन कल्टिवेटेड

भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.सां.अ.सं. समाचार

खण्ड 27

संख्या 3

जुलाई-सितम्बर, 2022

- लेंटिल (लेंस क्यूलिनेरिस मेडिक.)। फ्रंटियर्स इन जेनेटिक्स, **13**:942079. <https://doi.org/10.3389/fgene.2022.942079>
8. घोष एस, दास टी के, शिवाय वाई एस, बंदोपाध्याय के के, सुधिश्री एस, भाटिया ए, बिस्वास डी आर, यासीन मोहम्मद एवं घोष एस (2022)। वीड्स रिस्पांस ऐंड कंट्रोल एफिशिएंसी, ग्रीन ग्राम प्रोडक्टिविटी ऐंड रिस्पोर्स-यूज एफिशिएंसी अंडर ए कंजर्वेशन एग्रीकल्चर-बेस्ड मेज-वीट-ग्रीन ग्राम सिस्टम। *इंडियन जर्नल ऑफ वीड साइंस*, **54(2)**, 157-164.
 9. गोदारा एस एवं तोशनीवाल डी (2022)। डीप लर्निंग-बेस्ड क्वैरी-काउंट फोरकास्टिंग यूजिंग फार्मर्स हेल्पलाइन डेटा। *कम्प्यूटर्स ऐंड इलेक्ट्रॉनिक्स इन एग्रीकल्चर*, **196**, 106875.
 10. गोदारा एस, तोशनीवाल डी, प्रसाद आर, बाना आर, सिंह डी, बेदी जे, झाझरिया ए, डबास जे पी एस एवं मारवाह एस (2022)। एग्रीमाइन : ए डीप लर्निंग इंटीग्रेटेड स्पेशियो-टेम्पोरल एनालिटिक्स फ्रेमवर्क फॉर डाइग्नोसिंग नेशनवाइड एग्रीकल्चरल इश्यूज यूजिंग फार्मर्स हेल्पलाइन डेटा। *कम्प्यूटर्स ऐंड इलेक्ट्रॉनिक्स इन एग्रीकल्चर*, **201**, 107308. <https://doi.org/10.1016/j.compag.2022.107308>; <http://krishi.icar.gov.in/jspui/handle/123456789/73866>
 11. हट्टे वी एम, प्रकाश एस, कुमार एन आर, विवेकानंदन ई एवं रामासुब्रमणियन वी (2022)। कॉन्सट्रेंट एनालिसिस ऑफ फिशरमैन ऐंड मार्केट इंटरमीडिएरीज ऑफ मरीन फिश मार्केट्स इन रत्नागिरी, महाराष्ट्र, इंडिया। *एशियन जर्नल ऑफ एग्रीकल्चरल एक्सटेंशन, इकोनॉमिक्स ऐंड सोशियोलॉजी*, **40(10)**, 90-96.
 12. जैन पी, सिंह ए, इकबाल एम ए, जयसवाल एस, कुमार एस, राय ए एवं कुमार डी (2022)। जीनोम वाइड एनालिसिस ऐंड इवोलुशनरी पर्सपेक्टिव ऑफ साइटोकाइनिन डीहाइड्रोजिनस जीन फैमिली इन व्हीट (*ट्रिटिकम एस्टिवम* एल.)। *फ्रंटियर्स इन जेनेटिक्स*, **13**, 931659. <http://doi.org/10.3389/fgene.2022.931659>
 13. जयसवाल आर, चौधरी के एवं कुमार आर आर (2022)। एस.टी.एल-ई.एल.एम: ए डिकम्पोजिशन-बेस्ड हाइब्रिड मॉडल फॉर प्राइस फोरकास्टिंग ऑफ एग्रीकल्चरल क्मोडिटीज। *नेशनल एकेडमी साइंस लेटर्स*, **46(6)**, 477-480. <https://doi.org/10.1007/s40009-022-01169-9>
 14. जयसवाल डी, मेनकर पी, कुमार के, अग्रवाल वाई, प्रभा आर, कालिया वी एवं कंसल आर (2022)। पिरामिडिंग ऐंड इवैलुवेशन ऑफ सेग्रीगोटिंग लाइन्स कंटेनिंग लेक्टिन ऐंड प्रोटीऐस इन्हीबिटर जीन्स फॉर ऐफिड रेसिस्टेंस इन *ब्रैसिका जुंसिया*। *इंडियन जर्नल ऑफ बायोकेमिस्ट्री ऐंड बायोफिजिक्स*, **59(8)**, 800-807. <https://doi.org/10.56042/ijbb.v59i8.62319>
 15. करकुटे एस जी, कुमार वी, तस्लीम एम, मिश्रा डी सी, चतुर्वेदी के के, राय ए, मिथरा एस ए, गायकवाड के, शर्मा टी आर एवं सोलंके ए यू (2022)। जीनोम वाइड एनालिसिस ऑफ वॉन विलेब्रांडफैक्टर ए (वी.डब्ल्यू.ए) जीन फैमिली इन राइस फॉर इट्स रोल इन इम्पोर्टिंग बायोटिक स्ट्रेस रेसिस्टेंस विद एम्फेसिस ऑन राइस ब्लास्ट डिजीज। *राइस साइंस*, **29(4)**, 375-384.
 16. के पी हरीश कुमार, कुमार ए, सक्सेना एस, महरोत्रा ए, अहमद एस एफ, सज्जनर बी, श्रीवास्तव एस, मल्ला डब्ल्यू ए, चौहान ए, धर पी, मिश्रा बी पी, दत्त टी एवं सिंह आर के (2022)। जीनोम.वाइड ट्रांस्क्रिप्टोम प्रोफाइलिंग ऑफ सी.एस.एफ वायरस चैलेंज्ड मोनोसाइट-डिराइव्ड मैक्रोफेजिस प्रोवाइड्स डिस्टिक्ट इनसाइट्स इनटू इम्यून रिस्पांस ऑफ लैंडरेस ऐंड इंडिजीनस घुरा पिग्स। *जीनोमिक्स*, **114(4)**, 110427. <https://doi.org/10.1016/j.ygeno.2022.110427>
 17. कर्माकर एस, वर्गीस सी, हक एम ए, जग्गी एस, हारुन एम, एवं वर्गीस ई (2022)। ए नोट ऑन द कंस्ट्रक्शन ऑफ इन्कम्प्लीट रॉ-कॉलम रॉ-कॉलम डिजाइन्स: एन एल्गोरिथमिक एप्रोच। *जर्नल ऑफ स्टैटिस्टिकल प्लैनिंग ऐंड इन्फेरेंस*,

भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.सां.अ.सं. समाचार

खण्ड 27

संख्या 3

जुलाई-सितम्बर, 2022

- 222, 108-121. <https://doi.org/10.1016/j.jspi.2022.06.004>; <http://krishi.icar.gov.in/jspui/handle/123456789/73635>
18. कुमार बी, कुमार ए, जयसवाल एस, इकबाल एम ए, अंगदी यू बी, तोमर आर एस, राय ए एवं कुमार डी (2022)। जीनोम-वाइड आइडेंटिफिकेशन ऑफ लॉन्ग नॉन-कोडिंग आर.एन.एज इन पर्लमिलेट (*पेनिसेटम ग्लॉकम* एल) जीनोटाइप सबजेक्टेड टू ड्रॉट स्ट्रेस। *एग्रोनोमी*, **12(8)**, 1976. <https://www.mdpi.com/2073-4395/12/8/1976/htm>
 19. कुमार एस एस, मीर एस ए, वानी ओए, बाबू एस, यासीन एम, भट एम ए, हुसैन एन, अली वानी ए आई, कुमार आर, यादव डी एवं डार एस आर (2022)। लैंड-यूज सिस्टम्स रेग्युलेट कार्बन जियोकेमिस्ट्री द टेम्परेट हिमालयाज, इंडिया। *जर्नल ऑफ एनवायर्नमेंटल मैनेजमेंट*, **320**, 115811.
 20. मधु एवं कुमार आर (2022)। डिटेक्शन ऐंड क्लासिफिकेशन ऑफ ट्यूमर यूजिंग एस.वी.एम ऐंड ए.एन.एन विद जी. एल.सी.एम फीचर्स इन सी.बी.आई.आर। *जर्नल ऑफ एल्जेब्रिक स्टैटिस्टिक्स*, **13(1)**, 1790-1804.
 21. माजी ए के, मारवाह एस, कुमार एस, अरोड़ा ए, चिन्नुसामी वी एवं इस्लाम एस (2022)। स्लाइप नेट: स्पाइकलेट-बेस्ड थ्रील्ड प्रिडिक्शन ऑफ व्हीट यूजिंग एडवांस्ड प्लांट फिनोटाइपिंग ऐंड कम्प्यूटर विजन टेक्नीक्स। *क्रंटियर्स इन प्लांट साइंस*, **13**, 889853. <http://krishi.icar.gov.in/jspui/handle/123456789/74051>.
 22. मंडल एन के, कुमारी के, कुंडू अरोड़ा ए, भौमिक ए, कुमार पी, इकबाल एम ए, जयसवाल एस, बेहरा टी के, मुंशी दास ए एवं देव एस एस (2022)। क्रॉस-टॉक बिटवीन द साइटोकाइनिन, ऑक्सिन ऐंड गिबबरेलिन रेगुलेटरी नेटवर्क डिटेक्शन पार्थेनोकार्पी इन कुकुम्बर। *क्रंटियर्स इन जेनेटिक्स*, **13**, 957360. <https://www.frontiersin.org/articles/10.3389/fgene.2022.957360/full>
 23. मेहर पी के, साहू टी के, गुप्ता ए, कुमार ए एवं रस्तगी एस (2022)। ए.एस.आर.प्रो: ए मशीन-लर्निंग कम्प्यूटेशनल मॉडल फॉर आइडेंटिफाइंग प्रोटीन्स एसोसिएटेड विद मल्टीपल अबायोटिक स्ट्रेस इन प्लांट्स। *द प्लांट जीनोम*, e20259. <https://doi.org/10.1002/tpg2.20259>.
 24. मॉडल बी पी, साहू आर एन, बदोपाध्याय के के, दास बी, अरोड़ा ए एवं मुखर्जी जे (2022)। असेसमेंट ऑफ स्पेशियल वेरिफिबिलिटी ऑफ साइल अवेलेबल सल्फर यूजिंग जियोस्टैटिस्टिकल टेक्नीक्स इन ए पार्ट ऑफ डेक्कन प्लेट्यू ऑफ इंडिया। *जर्नल ऑफ द इंडियन सोसाइटी ऑफ सायल साइंस*, **70(2)**, 237-242. <https://doi.org/10.5958/09740228.2022.00023.8>; <http://krishi.icar.gov.in/jspui/handle/123456789/74686>
 25. नजीर आर, सर्दी एस ए, जारयाल के, खलीक के, गोदारा एस, बोम्बोरिया एस डी एवं बाना आर एस (2022)। इफेक्ट्स ऑफ फॉस्फोरस एप्लीकेशन ऑन बंच ऐंड स्प्रैडिंग जीनोटाइप्स ऑफ ग्राउन्डनट। *जर्नल ऑफ एग्रीकल्चर ऐंड इकोलॉजी*, **14**, 26-31.
 26. पाधी एस आर, जॉन आर, बर्तवाल ए, त्रिपाठी के, गुप्ता के, वानखेड़े डी पी, मिश्रा जी पी, कुमार एस, राणा जे सी, रियार ए एवं भारद्वाज आर (2022). डेवलपमेंट ऐंड ऑप्टिमाइजेशन ऑफ एन.आई.आर.एस प्रिडिक्शन मॉडल्स फॉर सिमलटेनियस मल्टी-ट्रेट असेसमेंट इन डाइवर्स काठपी जर्मप्लाज्म। *क्रंटियर्स इन न्यूट्रिशन*, **9**. <https://doi.org/10.3389/fnut.2022.100155>
 27. परिहार ए के, गुप्ता एस, हाजरा के के, लामिचानी ए, गुप्ता डी एस, सिंह डी, कुमार आर, सिंह ए के, वैष्णवी आर, मुनियांदी एस जे, दास एस पी, शर्मा जे डी, यादव आर के, जामवाल बी एस, चौधरी बी आर, खेदर ओ पी, प्रकाश वी, दीक्षित एच के, पंवार आर के, कुमार एम, कुमार पी, महतो सी एस, बोरा एच के, सिंह एम एन, दास ए, पाटिल ए एन, नंदा एच सी, कुमार वी, राजपूत एस एस, चौहान डी ए, पटेल एम एच, कंवर आर, कुमार जे, मिश्रा एस पी,

भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.सां.अ.सं. समाचार

खण्ड 27

संख्या 3

जुलाई-सितम्बर, 2022

- कुमार एच, स्वरूप आई, मोगली एस सी, कुमारेसन डी, मणिवन्नन एन, बायरेगौड़ा एम, मुथैयन पी, राव पी जे एम, शिवानी डी, प्रुस्टी ए एम, महादेवु पी, अयनार के एवं दास एस (2022)। मल्टी-लोकेशन इवैल्यूएशन ऑफ मूंगबीन (*विग्नाराडियाटा* एल.) इन इंडियन क्लाइमेट्स: ईको-फेनोलॉजिकल डायनामिक्स, यील्ड रिलेशन एंड कैरेक्टराइजेशन ऑफ लोकेशन्स। *क्रॉटियर्स इन प्लांट साइंस*, **13**, 984912. <https://doi.org/10.3389/fpls.2022.984912>
28. पाठक जे, रामासामी जी जी, अग्रवाल ए, श्रीवास्तव एस, बसवरिया बी आर, मुथुगाउंडर एम, मुनियप्पा वी के, मारिया पी, राय ए एवं वेंकटेशन टी (2022)। कम्पेरेटिव ट्रांस्क्रिप्टोम एनालिसिस टू रिवील डिफ्रेंशियली एक्सप्रेस्ड साइटोक्रोम P450 इन रिस्पोंस टू इमिडाक्लोप्रिड इन द एफिड लायन, *क्राइसोपर्ला जैस्ट्रोवी सिलेमी* (एस्बेन-पीटरसन)। *इन्सेक्ट्स*, **13**, 900. <https://doi.org/10.3390/insects13100900>
29. पॉल आर के, मित्रा डी, रॉय एच एस, पॉल ए के एवं यासीन एम डी (2022)। फोरकास्टिंग प्राइस ऑफ इंडियन मस्टर्ड (ब्रैसिका जुन्सिया) यूजिंग लॉन्ग मेमोरी टाइम सीरीज मॉडल इन्फॉर्मेटिंग एक्सोजीनस वेरिबल। *इंडियन जर्नल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसिस*, **92(7)**, 825-830.
30. पॉल आर के, यासीन एम डी एवं पॉल एके (2022)। द वोलेटिलिटी स्पिलओवर ऑफ पोटेटो प्राइसिस इन डिफरेंट मार्केट्स ऑफ इंडिया। *करंट साइंस*, **123(3)**, 482-487.
31. पॉल आर के, यासीन एम डी, कुमार पी, कुमार पी एवं गुप्ता ए (2022)। मशीन लर्निंग टेक्नीक्स फॉर फोरकास्टिंग एग्रीकल्चरल प्राइसिस: ए केस ऑफ ब्रिंजल इन ओडिशा, इंडिया। *प्लोस वन* **17(7)**, e0270553. <https://doi.org/10.1371/journal.pone.0270553>
32. प्रताप वी, दास ए, धर एस, बाबू एस, सिंह वी के, सिंह आर, कृष्णन पी, सुधिश्री एस, भाटिया ए, कुमार एस, चौधरी ए के, सिंह आर, कुमार पी, सरकार एस के, वर्मा एस के, कुमारी के एवं सैन ए ए (2022)। को-इम्प्लीमेंटेशन ऑफ टिलेज, प्रिसिशन नाइट्रोजन, ऐंड वॉटर मैनेजमेंट एनहांसिस वॉटर प्रोडक्टिविटी, इकनॉमिक रिटर्न्स, ऐंड एनर्जी-यूज एफिशिएंसी ऑफ डायरेक्ट सीडेड राइस। *सस्टेनेबिलिटी*, **14**, 11234. <https://doi.org/10.3390/su141811234>; <http://krishi.icar.gov.in/jspui/handle/123456789/74091>
33. रामटेकी वी, सुस्मिता सी, कुमार एस, श्रीपति के वी, शियोरन एस, उदय वी के, भोजराजा एन के, कुमार एस, सिंह ए एन एवं सिंह एच वी (2022)। सीड लॉगेविटी इन लेग्यूम्स: डीपर इनसाइट्स इंटू मैकेनिज्म्स ऐंड मॉलिक्यूलर पर्सपेक्टिव्स। *क्रॉटियर्स इन प्लांट साइंस*, **13**, 918206. <https://doi.org/10.3389/fpls.2022.918206>
34. राठौड़ एन, कुमार पी, मेहता एन, स्वर्णकार एम के, शंकर आर एवं चावला ए (2022)। टाइम-सीरीज आर.एन. ए-सीक्वेंस ट्रांस्क्रिप्टोम प्रोफाइलिंग रिवील्स नॉवल इनसाइट्स अबाउट कोल्ड एक्लीमेशन ऐंड डिएक्लीमेशन प्रोसेसिस इन एन एवरग्रीन श्रब ऑफ हाई एल्टीट्यूड। *साइंटिफिक रिपोर्ट*, **12**, 15553. <https://doi.org/10.1038/s41598-022-19834-w>
35. रॉय एच एस, पॉल ए के, पॉल आर के, सिंह आर के एवं कुमार पी (2022)। एस्टिमेशन ऑफ हैरिटेबिलिटी ऑफ करन फ्राइज कैटल यूजिंग बेसियन प्रोसीजर। *द इंडियन जर्नल ऑफ एनिमल साइंसिस*, **92(5)**, 645-648.
36. सागर ए, हसन एम, सिंह डी के, अल-अंसारिब एन, विश्वकर्मा, कुमार डी, चक्रवर्ती डी, कुमार ए, मलकानी पी, सिंह एम सी, इकबाल एम ए, श्रीवास्तव ए एवं अहमद ई (2022)। डेवलपमेंट ऑफ स्मार्ट वेगिंग लाइसीमीटर फॉर मीजरिंग इवेपोट्रांसपिरेशन ऐंड डेवलपिंग क्रॉप कोएफिशिएंट फॉर ग्रीनहाउस क्राइसंथेमम। *संसर्स*, **22**, 6239. <https://doi.org/10.3390/s22166239>
37. साहा एस, सिंह डी, रंगारी एस, नेगी एल, बनर्जी टी, दास एस, कुंडू ए, दत्ता ए, मंडल ए, पतंजलि एन, कुमार आर, कुमार ए एवं सिंह ए (2022)। एक्सट्रैक्शन ऑप्टिमाइजेशन ऑफ नीम बायोएक्टिव्स फ्रॉम नीम सीड कर्नल बाई

भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.सां.अ.सं. समाचार

खण्ड 27

संख्या 3

जुलाई-सितम्बर, 2022

- अल्ट्रासोनिक असिस्टेड एक्सट्रैक्शन ऐंड प्रोफाइलिंग बाई यू.पी.एल.सी-क्यू.टी.ओ.एफ-ई.एस.आई-एम.एस। *सस्टेनेबल केमिस्ट्री ऐंड फार्मसी*, **29**, 100747. <http://krishi.icar.gov.in/jspui/handle/123456789/73643>
38. साहू टी के, मेहर पी के, चौधरी एन के एवं राव ए आर (2022)। ए कम्पेरेटिव एनालिसिस ऑफ अमीनो एसिड एन्कोडिंग स्कीम्स फॉर द प्रिडिक्शन ऑफ फ्लेक्सिबल लेंथ लीनियर ठ-सेल एपिटोप्स। *ब्रीफिंग्स इन बायोइन्फार्मेटिक्स*, **23(5)**, bbac356. <https://doi.org/10.1093/bib/bbac356>
39. शनमुका ए, लेनिन वी, संगीता वी, मुरलीकृष्णन एल, रामसुब्रमणियन वी एवं अरोड़ा ए (2022)। इफेक्टिवनेस ऑफ सोशल मीडिया बेस्ड एग्रो-एडवाइजरी सर्विसिज इन आंध्र प्रदेश- एन एनालिसिस। *इंडियन जर्नल ऑफ एक्सटेंशन एजुकेशन*, **22(4),77-81**. https://doi.org/10.54986/irjee/2022/oct_dec/77-81; <https://krishi.icar.gov.in/jspui/handle/123456789/74667>
40. सिंह डी, सिंह सी के, सिद्दीकी एम एच, आलमरी एस, सरकार एस के, राठौड़ ए, प्रसाद एस के, सिंह डी, शर्मा एन एल, कलाजी एच एम एवं ब्रिसिविज ए (2022)। हाइड्रोजन सल्फाइड ऐंड सिलिकॉन टुगेदर एलीविएट क्रोमियम (टप) टॉक्सिसिटी बाइ मॉड्युलेटिंग मोर्फो-फिजियोलॉजिकल ऐंड की एंटीऑक्सीडेंट डिफेंस सिस्टम्स इन चिकपी (*साइसर एरीटिनम* एल) वेरायटीज। *फ्रंटियर्स इन प्लांट साइंसिज*, **13**, 963394. <https://doi.org/10.3389/fpls.2022.963394>.
41. तन्वी डी, मिश्रा डी सी एवं राय ए (2022)। रोल ऑफ बायोइन्फार्मेटिक्स इन द डेवलपमेंट ऑफ प्लांट जेनेटिक रिसोर्सिज। *इंडियन जर्नल ऑफ प्लांट जेनेटिक रिसोर्सिज*, **35(3)**, 200-203. <https://doi.org/10.5958/0976-1926.2022.00069.9>
42. थैंकचेन जे, अय्यर आर, गुप्ता के, आजमी एफ.टी एवं रे एम (2022)। रिलेशनशिप बिटवीन इम्लॉई रिजीलिंग ऐंड वर्क रोल परफॉरमेंस इन हायर एजुकेशन। *पॉसिटिव जर्नल*, **22(9)**, 138-153.
43. थापा एस, महापात्रा एस, बराल डी, लामा ए, शिवकोटी पी एवं दास एस (2022)। स्टेटस ऑफ फॉल्स स्मट ऑफ राइस इन डिफरेंट डिस्ट्रिक्ट्स ऑफ वेस्ट बंगाल। *ओरिजा*, **59**, 167-171. <http://krishi.icar.gov.in/jspui/handle/123456789/73606>
44. तिवारी डी, मुर्मू एस, इंदारी ओ, झा एच.सी एवं कुमार एस (2022)। एपस्टीन-बार वायरस डी.यू.टी पेस, एन इम्यूनोमॉड्युलेटरी प्रोटीन यूजिंग एंटी-वायरल, एंटी-इनफ्लेमेटरी ऐंड न्यूरोप्रोटेक्टिव फाइटोकेमिकल्स। *कैम बायोडाइवर्स*, **19(9)**, e202200527. <https://onlinelibrary.wiley.com/doi/10.1002/cbdv.202200527>
45. यासीन एम, हलधर डी, कुमार एस, पॉल आर के, एवं घोष एस (2022)। मशीन लर्निंग टेक्नीक्स फॉर फीनोलॉजी असेसमेंट ऑफ शुगरकेन यूजिंग कंजक्टिव एस.ए.आर ऐंड ऑप्टिकल डेटा। *रिमोट सेंसिंग*, **14(14)**, 3249. <https://doi.org/10.3390/rs14143249>

पुस्तकों के अध्याय

- टंडन जी, जयसवाल एस, इकबाल एम ए, राय ए, कुमार डी. (2022)। होल जीनोम वाइड एस.एस.आर मार्कर्स आइडेंटिफिकेशन बेस्ड ऑन डीडी आरएडी - सीक्वेंस डाटेन। इन: *प्लांट जीनोटाइपिंग : मैथड्स ऐंड प्रोटोकॉल्स*। एडिटर यूरी शावरुकोव। स्प्रिंजर साइंस मीडिया, पीपी 59-66, एल.एल.सी, 1 न्यूयॉर्क प्लाजा, न्यूयॉर्क, एन वाई 10004, यू.एस.ए.

भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.सां.अ.सं. समाचार

खण्ड 27

संख्या 3

जुलाई-सितम्बर, 2022

लोकप्रिय आलेख

1. त्रिवेणी दत्त, रुपासी तिवारी, अनुज चौहान, उज्ज्वल कुमार डे, ब्रिजेश कुमार, सुभिशा सी., राजेन्द्र प्रसाद, सुदीप, संजीव कुमार, समीर श्रीवास्तव, केशव कांत। आईवीआरआई-ऑनलाइन पशुचिकित्सा क्लिनिक। भाकृअनुप-आईवीआरआई, इज्जतनगर एवं भाकृअनुप-भाकृसांअसं, नई दिल्ली।
2. राहुल बनर्जी, भारती, पंकज दास एवं मनीष कुमार (2021)। कृषि में सांख्यिकी का अनुप्रयोग, कृषि सेवा हिंदी ऑनलाइन, ई-पत्रिका। (<https://www.krishisewa.com/>)।

प्रस्तुत शोध पत्र/व्याख्यान

- पूसा कृषि शीर्ष इनक्यूबेशन कार्यक्रम - एराइज एवं यूपीजेए 2021, जिसे जेडटीएम एवं बीपीडी एकक, भाकृअसं, नई दिल्ली द्वारा 6 जुलाई, 2022 को आयोजित किया गया।
 - अलका अरोड़ा। ज्ञान प्रबंधन के लिए भाकृअनुप रिपोजिटरी।
- आधुनिक जीवविज्ञान में एआई पर डीबीटी-प्रायोजित कार्यशाला, आईसीजीईवी, नई दिल्ली में 23-25 अगस्त, 2022 के दौरान आयोजित।
 - सारिका साहू। एनसी आरएनए की पहचान एवं लक्षणवर्णन करना और व्यावहारिक अभ्यासिक सत्र।
 - सहज एकीकृत नीति निर्माण के लिए प्रणाली विश्लेषण पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, जिसे टाइफैक द्वारा 10-12 अगस्त, 2022 के दौरान आयोजित किया गया।
 - दास पी*, कुमार एस एवं जॉर्ज जे। मृदा गुणधर्मों के पूर्वानुमान के लिए मशीन लर्निंग तकनीकों का अनुप्रयोग।
- स्थायी विकास लक्ष्यों की दिशा में कृषि एवं खाद्य प्रणाली में उन्नयनों पर ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, जिसे भाकृ अनुप, एआईएएसए एवं यूएस बेंगलुरु द्वारा कृषि विज्ञान, बेंगलुरु में 22-24 अगस्त, 2022 के दौरान संयुक्त रूप से आयोजित किया गया।
 - भारती*, मो. जे, अहमद टी एवं बंसल एस। वानिकी में यादृच्छिकीकृत अनुक्रिया तकनीक का अनुप्रयोग - हिमाचल प्रदेश के शिमला जिले में वन अतिक्रमण के अनुपात के आकलन हेतु एक केस स्टडी।
 - स्नेहा मुर्मू। मशीन लर्निंग एल्गोरिदम का प्रयोग करके जीवाणविक-व्युत्पन्न प्राकृतिक उत्पादों का जैवसक्रियता पूर्वानुमान।
- जैवप्रौद्योगिकीय उपनतियां एवं संभावनाएं पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, जिसे कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, जीकेवीके, बेंगलुरु द्वारा 13-15 सितम्बर, 2022 के दौरान आयोजित किया गया।
 - रत्ना प्रभा। सफेद पेकिन एवं खाकी कैम्पबेल बत्तखों के जनन क्षेत्र में मेटाजीनोमिक अंतरदृष्टियां।
- गणितीय मॉडलिंग, विलेक्षण एवं संगणन (एमएमएसी-2022) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, जिसे गणित विभाग, तिरुवल्लुवर विश्वविद्यालय, वेल्लोर, तमिलनाडु द्वारा 14-16 सितम्बर, 2022 के दौरान ऑनलाइन मोड में आयोजित किया गया।
 - राहुल बनर्जी। मिश्रित परीक्षणों के लिए संतृप्त अभिकल्पनाओं का निर्माण।
- कृषि और संबद्ध विज्ञानों में आणविक जीवविज्ञान एवं जैवसूचना विज्ञान टूल्स और उसका अनुप्रयोग पर सम्मेलन, जिसे कृषि जैवप्रौद्योगिकी उद्यमशीलता केंद्र, जैवप्रौद्योगिकी महाविद्यालय, एसवीपीयूएटी, मेरठ द्वारा 08-21 सितम्बर, 2022 के दौरान आयोजित किया गया।

भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.सां.अ.सं. समाचार

खण्ड 27

संख्या 3

जुलाई-सितम्बर, 2022

- सारिका। एनजीएस डेटा का प्रयोग करके जीन अभिव्यंजकता विश्लेषण।
- मीर आसिफ इकबाल। एनजीएस डेटा का प्रयोग करके मार्कर की खोज और कृषि में उसका अनुप्रयोग।
- बेहतर आजीविका एवं पर्यावरण सुरक्षा के लिए कृषि, पशुचिकित्सा एवं संबद्ध विज्ञानों में उन्नयनों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (ए.ए.वी.ए.एस.आई.एल.ई.एस-2022)। जिसे भाकृअनुप-आईजीएफआरआई, आआरएस, श्रीनगर, भाकृअनुप-एनएएचईपी, बीएयू, रांची एवं एनएडीसीएल, बारामुला द्वारा कश्मीर विश्वविद्यालय, हजरतबल द्वारा 28-30 सितम्बर, 2022 के दौरान ऑनलाइन मोड में आयोजित किया गया।
- स्नेहा मुर्मू। मशीन लर्निंग तकनीक का प्रयोग करके गैर-क्रिस्पर एवं क्रिस्पर-सीएएस के परस्पर प्रोटीन-प्रोटीन अन्वोन्यक्रियाओं का पूर्वानुमान, 29 सितम्बर, 2022।

प्रस्तुत व्याख्यान (संस्थान से बाहर)

- आर का प्रयोग करके कृषि प्रणाली मॉडलिंग एवं पूर्वानुमान के लिए सांख्यिकीय और मशीन लर्निंग तकनीकों पर डीएसटी-एसईआरबी प्रायोजित उच्च स्तरीय कार्यशाला जिसे भाकृअनुप-भारतीय चावल अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद द्वारा 18-30 जुलाई, 2022 के दौरान आयोजित किया गया।
 - दो व्याख्यान (i) काल श्रृंखला विश्लेषण के लिए वेवलेट और (ii) लॉन्ग मेमोरी काल श्रृंखला मॉडल पर 25 जुलाई, 2022 को दिए गए (रंजीत कुमार पॉल)।
 - एक व्याख्यान पाइथन प्रोग्रामिंग के मूल सिद्धांत पर 23 जुलाई, 2022 को दिया गया (प्रकाश कुमार)।
 - एक व्याख्यान लासो एवं इलास्टिक नेट रिग्रेशन पर 19 जुलाई, 2022 को दिया गया (बिशाल गुरुंग)।
 - एक व्याख्यान एक्सट्रीम लर्निंग मशीन पर 23 जुलाई, 2022 को दिया गया (राजीव रंजन कुमार)।
 - एक व्याख्यान नॉनलीनियर ग्रोथ मॉडल पर 20 जुलाई, 2022 को दिया गया (मृन्मय रे)।
 - दो व्याख्यान (i) मॉडलों की आर्च फैमिली पर 22 जुलाई, 2022 को और (ii) बेसियन काल श्रृंखला मॉडलिंग पर 27 जुलाई, 2022 को दिए गए (अचल लामा)।
- सांख्यिकीय सॉफ्टवेयरों का प्रयोग करके वृहत डेटा विश्लेषण एवं अनुसंधान विधियों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागियों के लिए डेटा एवं वेब संसाधनों पर 26 जुलाई, 2022 को एक विशेष व्याख्यान, जिसे सांख्यिकी एवं संगणक विज्ञान प्रभाग द्वारा आईडीपी एसकेयूएएसटी-जम्मू, जम्मू के तत्वावधान के तहत 26 जुलाई - 01 अगस्त, 2022 के दौरान आयोजित किया गया (राजेन्द्र प्रसाद)।
- एसएयू के शिक्षकों एवं वैज्ञानिकों के लिए सांख्यिकीय एवं डेटा विश्लेषण विधियों पर पुनश्चर्या पाठ्यक्रम जिसे कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा प्रबंधन, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय द्वारा गणित एवं सांख्यिकी विभाग, सीओबीएस एवं एच के सहयोग से सीसीएस एचएयू, हिसार में 30 जुलाई से 19 अगस्त, 2022 के दौरान आयोजित किया गया।
 - दो व्याख्यान (i) अनुक्रिया पृष्ठ पद्धति के सम्बन्ध में पाइथन प्रोग्रामिंग के मूल सिद्धांतों पर 09 अगस्त, 2022 को और (ii) स्थिरता विश्लेषण के सम्बन्ध में पाइथन प्रोग्रामिंग के मूल सिद्धांतों पर 10 अगस्त, 2022 को दिए गए (प्रकाश कुमार)।
 - दो व्याख्यान (i) टाइम ऑन सीरिज एनालिसिस पर 09 अगस्त, 2022 को और (ii) मशीन लर्निंग तकनीकों पर 10 अगस्त, 2022 को दिए गए (रंजीत कुमार पॉल)।

भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.सां.अ.सं. समाचार

खण्ड 27

संख्या 3

जुलाई-सितम्बर, 2022

- दो व्याख्यान (i) बहुउपादानी परीक्षणों पर 09 अगस्त, 2022 को और (ii) परीक्षणों के समूह पर 10 अगस्त, 2022 को दिए गए (सुशील कुमार सरकार)।
- एक व्याख्यान पादप प्रजनन में संवर्धित अभिकल्पना का अनुप्रयोग पर 12 अगस्त, 2022 को दिया गया (एच. एस. रॉय)।
- दो व्याख्यान (i) प्रमुख घटक विश्लेषण और (ii) विविक्तकर विश्लेषण पर 12 अगस्त, 2022 को दिए गए (अनिदिता दत्ता)
- वेब एवं मोबाइल अनुप्रयोग विकास में उन्नयनों पर प्रशिक्षण में 3 अगस्त, 2022 को भाकृअनुप संपूर्ण वेब अनुप्रयोगों पर एक व्याख्यान दिया गया जिसे भाकृअनुप-नार्म, हैदराबाद द्वारा 02-06 अगस्त, 2022 के दौरान आयोजित किया गया (अलका अरोड़ा)।
- आर प्रोग्रामिंग का प्रयोग करके वृहत डेटा विश्लेषण एवं इसकी संभावना और व्यावहारिक अनुभव से परिचय पर एक व्याख्यान कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों में वृहत-डेटा वैश्लेषिकी की संभावना पर राष्ट्रीय वेबिनार में दिया गया जिसका आयोजन सांख्यिकी एवं संगणक अनुप्रयोग विभाग, एस. वी. कृषि महाविद्यालय-तिरुपति, आचार्य एन. जी. रंगा कृषि विश्वविद्यालय, आंध्र प्रदेश द्वारा 26 अगस्त, 2022 को किया गया (अंशु भारद्वाज)।
- आणविक जीवविज्ञान एवं जैवसूचना विज्ञान टूल्स तथा कृषि एवं संबद्ध विज्ञानों में इनके अनुप्रयोग पर संकाय प्रशिक्षण कार्यक्रम जिसे जैवप्रौद्योगिकी महाविद्यालय, सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा 08-21 सितम्बर, 2022 के दौरान आयोजित किया गया।
 - कृषि महत्वपूर्ण फसलों में दबाव सम्बन्धी चुनौतियों से निपटने हेतु एनसीआरएनएएस की भूमिका पर एक व्याख्यान, 17 सितम्बर, 2022 (सारिका साहू)।
 - मेटाजीनोमिक्स : सूक्ष्मजीव जगत से परिचय, 16 सितम्बर, 2022 (रत्ना प्रभा)।
- उच्च स्तरीय कार्यशाला शीर्षक 'क्यू-जीआईएस एवं आर प्रोग्रामिंग का प्रयोग करते हुए व्यावहारिक प्रशिक्षण: जल संसाधनों में परिवर्ती गतिकियों को समझने हेतु एक एकीकृत उपागम, जिसे केएससीएसटीई-जल संसाधन विकास एवं प्रबंधन केंद्र (सीडब्ल्यूआरडीएम), कुनामंगलम, कोझीकोड, केरल द्वारा 15-28 सितम्बर, 2022 के दौरान आयोजित किया गया था।
 - वर्षण के पूर्वानुमान के लिए वेवलेट-आधारित काल श्रृंखला मॉडलिंग पर एक व्याख्यान, 21 सितम्बर, 2022 (रंजीत कुमार पॉल)।
 - मशीन लर्निंग तकनीकों का प्रयोग करके सूखे के सूचकांक की मॉडलिंग एवं पूर्वानुमान पर एक व्याख्यान, 22 सितम्बर, 2022 (राजीव रंजन कुमार)।
- सांख्यिकीय डेटा विश्लेषण एवं व्याख्या और अटारी, लुधियाना के वैज्ञानिकों के लिए KRISHI पोर्टल में प्रकाशन तथा प्रौद्योगिकी के डेटा एंट्री पर एक व्याख्यान जिसे अटारी, लुधियाना में 19 सितम्बर, 2022 को आयोजित किया गया (सुकांत दाश)।
- तीन व्याख्यान (i) विविक्तकर सांख्यिकी पर 24 सितम्बर, 2022, (ii) कारक विश्लेषण पर 27 सितम्बर, 2022 और (iii) क्लस्टर विश्लेषण पर 28 सितम्बर, 2022 को अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला 'एसपीएसएस का प्रयोग कर प्रगत सांख्यिकी डेटा विश्लेषण' में दिए गए जिन्हें विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान और एमकेएसईएस लखनऊ द्वारा 24-30 सितम्बर, 2022 के दौरान आयोजित किया गया (रंजीत कुमार पॉल)।

- स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, प्रेसिडेंसी यूनिवर्सिटी की वेबिनार श्रृंखलाओं में आर्थिक अनुप्रयोगों के लिए रैखिक प्रोग्रामिंग मॉडलों पर एक व्याख्यान ऑनलाइन मोड में 27 सितम्बर, 2022 को आयोजित किया गया (हरीश कुमार एच. वी)।

सहभागिता

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन/ कार्यशाला/ संगोष्ठी आदि

- एकीकृत नीति बनाने में सहजता के लिए प्रणाली विश्लेषण पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी जिसे टाइफेक (प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद), विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के तहत एक स्वायत्त निकाय द्वारा 10-12 अगस्त, 2022 के दौरान स्कोप कन्वेंशन सेंटर, लोधी रोड, नई दिल्ली में आयोजित किया गया (बिशाल गुरुंग एवं पंकज दास)।
- प्राथिकता एवं सांख्यिकी: नए फ्रंटियर्स (आईएसपीएस 2022) पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी जिसे सांख्यिकी विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय और कलकत्ता सांख्यिकी संघ द्वारा सीएसए के 75 वर्ष मनाने हेतु वर्चुअल मोड में 12-14 अगस्त, 2022 के दौरान संयुक्त रूप से आयोजित किया गया (सौमेन पाल, रंजीत कुमार पॉल एवं राजू कुमार)।
- स्थायी विकास लक्ष्यों के लिए कृषि एवं खाद्य प्रणाली में उन्नयनों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, जिसे भाकृअनुप, एआईएएसए एवं यूएएस बेंगलुरु द्वारा कृषि विज्ञान, बेंगलुरु में ऑनलाइन मोड में 22-24 अगस्त, 2022 के दौरान संयुक्त रूप से आयोजित किया (सौमेन पाल, स्नेहा मुर्मू, भारती, संचिता नाहा एवं रत्ना प्रभा)।
- जैवप्रौद्योगिकीय प्रवृत्तियां एवं संभावनाएं पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन जिसे कृषि विज्ञान, जीकेवीके, बेंगलुरु द्वारा 13-15 सितम्बर, 2022 को आयोजित किया गया (रत्ना प्रभा)।
- बेहतर आजीविका एवं पर्यावरण सुरक्षा के लिए कृषि, पशुचिकित्सा एवं संबद्ध विज्ञानों (ए ए वी ए एस आई एल ई एस-2022) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, जिसे भाकृअनुप-आईजीएफआर, आरआरएस, श्रीनगर, भाकृअनुप-एनएएचईपी, बीएयू, रांची और एनएडीसीएल, बारामुला द्वारा कश्मीर विश्वविद्यालय, हजरतबल में ऑनलाइन मोड में 28-30 सितम्बर, 2022 के दौरान संयुक्त रूप से आयोजित किया गया।

राष्ट्रीय सम्मेलन/ कार्यशाला/ सेमिनार/ संगोष्ठी/ प्रशिक्षण/ फाउंडेशन पाठ्यक्रम/ वार्षिक दिवस/ व्याख्यान आदि का आयोजन

- कैटलाइजिंग न्यू इंडियाज टेकेड को मनाने हेतु डिजिटल इंडिया सप्ताह तथा स्टार्ट-अप अर्थव्यवस्था को गति प्रदान करना: कैपिटल कार्पोरेट एण्ड कनेक्ट्स पर राष्ट्रीय स्टार्ट-अप सम्मेलन, जिसे इलेक्ट्रॉनिक एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा गाँधीनगर, गुजरात में 5 जुलाई, 2022 को आयोजित किया गया (के. के. चतुर्वेदी एवं एस. बी. लाल)।
- सरकार तथा विभिन्न अन्य एजेंसियों द्वारा फसल उत्पादन आकलनों की पद्धतियों पर चर्चा करने हेतु फसल उत्पादन आकलन पर राष्ट्रीय सम्मेलन, जिसे अर्थशास्त्र एवं सांख्यिकी निदेशालय (डीईएस), कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा ए. पी. सिंधे सिम्पोजियम हाल, राष्ट्रीय कृषि विज्ञान कॉम्प्लेक्स (एन ए एस सी), पूसा, नई दिल्ली में 13 जुलाई, 2022 के दौरान आयोजित किया गया (राजेन्द्र प्रसाद, तौकीर अहमद, प्राची मिश्रा साहू, कौस्तव आदित्य एवं अंकुर बिश्वास)।
- भाकृअनुप फाउंडेशन दिवस, 16 जुलाई, 2022 (राजेन्द्र प्रसाद)।
- भाकृअनुप-अपारी ज्ञान प्रबंधन कार्यशाला जिसे भाकृअनुप-कृषि ज्ञान प्रबंधन निदेशालय द्वारा 23 जुलाई, 2022 को आयोजित किया गया (राजेन्द्र प्रसाद)।

भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.सां.अ.सं. समाचार

खण्ड 27

संख्या 3

जुलाई-सितम्बर, 2022

- ई-ऑफिस प्रोडक्ट एडमिनिसट्रेटर प्रशिक्षण पर एक दिवसीय प्रशिक्षण जिसे एनआईसी, नई दिल्ली द्वारा 02 अगस्त, 2022 को आयोजित किया गया (के. के. चतुर्वेदी एवं एस. बी. लाल)।
- भारत में एक विविध, रोबस्ट एआई वर्कफोर्स विकसित करने के लिए भारत-यू.एस. विजनिंग कार्यशाला जिसे विज्ञान संस्थान, बंगलुरु द्वारा 10-11 अगस्त, 2022 के दौरान आयोजित किया गया (अलका अरोड़ा)।
- एससीएसपी योजना के सफल कार्यान्वयन के लिए पाथवेज पर राष्ट्रीय कार्यशाला, भाकृअनुप-नार्म, हैदराबाद में 18-19 अगस्त, 2022 के दौरान आयोजित।
- खाद्य, पोषण एवं पर्यावरण सुरक्षा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी जिसे ट्रस्ट फॉर एडवांसमेंट इन एग्रीकल्चरल साइंसिस द्वारा एनएएससी, नई दिल्ली में 29-30 अगस्त, 2022 को आयोजित किया गया (राजेन्द्र प्रसाद)।
- एनएसएस के विभिन्न दौरों के सर्वेक्षण परिणामों पर 17वां राष्ट्रीय सेमिनार जिसे राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एन एस ओ), सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एम ओ एस पी आई), भारत सरकार द्वारा कोचीन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कोची, केरल द्वारा 1-2 सितम्बर, 2022 के दौरान आयोजित किया गया (तौकीर अहमद)।
- लिनियर एलजेब्रा, मैट्रिक्स थ्योरी एवं लीनियर आकलन पर वेब कार्यशाला जिसे एसएससीए, नई दिल्ली द्वारा 02 सितम्बर, 2022 को आयोजित किया गया (राजेन्द्र प्रसाद एवं रामासुब्रमणियन वी.)।
- प्रौद्योगिकी आधारित उपज आकलन एवं स्मार्ट प्रतिचयन तकनीक (एस एस टी) पर पीएमएफबीवाई के सभी हितधारकों के लिए एक-दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला, जिसे ऋण प्रभाग, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 13 सितम्बर, 2022 को एनएएससी कॉम्प्लेक्स, पूसा, नई दिल्ली में आयोजित किया गया (प्राची मिश्रा साहू)।
- ऑथेंटिकेशन ऐंड यूसेज इकोसिस्टम पर केंद्रीय मंत्रालयों/विभागों के साथ ओरिएंटेशन कार्यशाला, जिसे यूआईडीएआई मुख्यालय, बंगला साहिब रोड, नई दिल्ली में 14 सितम्बर, 2022 को आयोजित किया गया (सौमेन पाल)।
- केवीके-सीएसआईएसए नेटवर्क वार्षिक कार्यशाला, एनएएससी कॉम्प्लेक्स, 23 सितम्बर, 2022 (अलका अरोड़ा)।
- भारत में निजी विश्वविद्यालयों द्वारा कृषि उच्च शिक्षा की मेनस्ट्रीमिंग पर राष्ट्रीय संगोष्ठी जिसे नार्म, हैदराबाद में 29 सितम्बर, 2022 को आयोजित किया गया (सुदीप, अलका अरोड़ा, अंशु भारद्वाज, और शशि दहिया)।
- भाकृअनुप-परिशुद्ध कृषि नेटवर्क कार्यक्रम (एन ई पी पी ए) की दूसरी संचालन समिति की बैठक, व्याख्यान कक्ष, एनएएससी परिसर, नई दिल्ली, 10 अगस्त, 2022 (अनिल राय)।

बैठकें

- सचिव, भाकृअनुप की अध्यक्षता में जेम (GeM) के माध्यम से क्रय हेतु 12 जुलाई, 2022 को बैठक (राजेन्द्र प्रसाद, अभिषेक श्रीवास्तव एवं के. के. शर्मा)।
- बागवानी फसलों के क्षेत्र एवं उत्पादन आकलन के लिए पद्धति विकसित करने हेतु अनुवर्ती गतिविधियों पर चर्चा करने हेतु डॉ. टी. आर. रीनिवास, सहायक महानिदेशक (बागवानी सांख्यिकी), कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार तथा जोसफ सीएफ, सलाहकार (बागवानी सांख्यिकी), कृषि एवं किसान कल्याण विभाग की अध्यक्षता में कृषि भवन, नई दिल्ली में 15 जुलाई, 2022 को बैठक (तौकीर अहमद एवं प्राची मिश्रा साहू)।
- बीएसएमए की नई सिफारिशों के आधार पर एआरएस पादयविवरण का संशोधन और अर्हता में संशोधन पर 04 अगस्त, 2022 को बैठक (राजेन्द्र प्रसाद, अनिल राय एवं सुदीप)।

भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.सां.अ.सं. समाचार

खण्ड 27

संख्या 3

जुलाई-सितम्बर, 2022

- डॉ. त्रिलोचन महापात्र, पूर्व सचिव (डेयर) एवं महानिदेशक (भाकृअनुप) का अभिनंदन करने तथा डॉ. हिमांशु पाठक, सचिव (डेयर) एवं महानिदेशक (भाकृअनुप) का स्वागत करने हेतु 04 अगस्त, 2022 को भाकृअनुप-भाकृअसं, नई दिल्ली में समारोह (राजेन्द्र प्रसाद)।
- ईएआई पर एआईसीआरपी की एक दिवसीय समीक्षा बैठक (ऑनलाइन) और भाकृअनुप-भाकृसांअसं, नई दिल्ली के समन्वय केंद्र से पीआई के रूप में परियोजना की प्रगति का प्रस्तुतीकरण, 10 अगस्त, 2022 (कौस्तव आदित्य)।
- राष्ट्रीय पादप जैवप्रौद्योगिकी की संस्थान प्रबंधन समिति की 11वीं बैठक, 18 अगस्त, 2022 (राजेन्द्र प्रसाद)।
- एएसआरबी-सीएस दिशानिर्देशों और स्कोर कार्ड पर अपर सचिव, डेयर एवं सचिव, भाकृअनुप की अध्यक्षता में 18 अगस्त, 2022 को अधिकारियों के समूह (जी ओ ओ) की बैठक (अनिल राय)।
- पीजी स्कूल, भाकृअसं, नई दिल्ली की 417वीं अकादमिक परिषद की बैठक, 27 अगस्त, 2022 (राजेन्द्र प्रसाद, अलका अरोड़ा एवं सिनी वर्गीस)।
- सचिव, डेयर एवं महानिदेशक, भाकृअनुप की अध्यक्षता में भाकृअनुप के संस्थानों के निदेशकों के साथ चर्चा, 30 अगस्त, 2022 (राजेन्द्र प्रसाद)।
- विषय विशेषज्ञ प्रभाग (कृषि शिक्षा) की पांचवीं प्रभागीय बैठक, 05 सितम्बर, 2022 (राजेन्द्र प्रसाद)।
- वित्त वर्ष 2020-21 और 2021-22 के लिए मछली एवं मछली बीजोत्पादन डेटा के वैधीकरण हेतु 16वीं तकनीकी निगरानी समिति (मात्स्यिकी) की बैठक, 07 सितम्बर, 2022 (राजेन्द्र प्रसाद)।
- सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा अधिष्ठापित पुरस्कारों की समीक्षा/संशोधन हेतु गठित पुरस्कार समीक्षा समिति की बैठक, खुर्शीद भवन, नई दिल्ली, 09 सितम्बर, 2022 (राजेन्द्र प्रसाद)।
- राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी की कार्यकारिणी परिषद की बैठक, 16 सितम्बर, 2022 (राजेन्द्र प्रसाद)।
- सूचना कार्यान्वयन एवं परिचालन प्रबंधन समिति (आई ओ एम सी) और संचार प्रौद्योगिकी (आई सी टी) एकक, भाकृअनुप की बैठक, 19 सितम्बर, 2022 (राजेन्द्र प्रसाद, अनिल राय, सुदीप, मुकेश कुमार, के. के. चतुर्वेदी, एस. बी. लाल, संजीव कुमार, सुभाष चंद एवं जय भगवान)।
- एकीकृत पशुधन प्रतिदर्श सर्वेक्षण के लिए निर्देशन तकनीकी समिति (टीसीडी) की बैठक, करमपुरा रोड, बेंगलुरु, 29 सितम्बर, 2022 (राजेन्द्र प्रसाद, तौकीर अहमद एवं प्राची मिश्रा साहू)।

मानव संसाधन विकास

आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम/कार्यशालाएं : 4 (205 सहभागी)

| क्र. सं. | शीर्षक | स्थान | अवधि | सहभागियों की सं. |
|----------|---|---|----------------|------------------|
| 1 | भाकृअनुप के संस्थानों और उनके क्षेत्रीय केंद्रों तथा कृषि विज्ञान केंद्रों के लिए भूमि अभिलेख प्रबंधन प्रणाली (एल आर एम एस) (समन्वयक: एस. बी. लाल, मुकेश कुमार एवं के. के. चतुर्वेदी) | भाकृअनुप-भाकृसांअसं, नई दिल्ली (ऑनलाइन) | 14 जुलाई, 2022 | 50 |

भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.सां.अ.सं. समाचार

खण्ड 27

संख्या 3

जुलाई-सितम्बर, 2022

| | | | | |
|------------------------|---|--|--|------------|
| 2 | बागवानी विज्ञान विश्वविद्यालय, बागलकोट के लिए एयू.पी.आई.एम.एस., (समन्वयक: अलका अरोड़ा) | भाकृअनुप-भाकृ सांअसं, नई दिल्ली (ऑनलाइन) | 22 जुलाई, 2022 | 37 |
| 3 | कृषि दीक्षा के मूल सिद्धांत (समन्वयक: अंशु भारद्वाज) | भाकृअनुप-भाकृ सांअसं, नई दिल्ली (ऑनलाइन) | (i) 07 जुलाई, 2022 और (ii) 21 जुलाई, 2022 | 93 (56+37) |
| हिंदी कार्यशाला | | | | |
| 4 | बुनियादी सांख्यिकीय तकनीक और आनुवंशिकी में इसका अनुप्रयोग (संयोजक: आर. के. पॉल, मो. यासीन एवं प्रकाश कुमार) | भाकृअनुप-भाकृ सांअसं, नई दिल्ली (ऑनलाइन) | 03-05 अगस्त, 2022 | 25 |

प्रशिक्षण कार्यक्रमों में सहभागिता

- ईएनवीआई वैश्लेषिकी से परिचय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम जिसे ईएसआरआई इंडिया द्वारा 29-01 जुलाई, 2022 के दौरान आयोजित किया गया (सपना निगम)।
- नेतृत्व विकास के लिए कार्यकारी विकास कार्यक्रम जिसे भाकृअनुप-नार्म, हैदराबाद द्वारा 04-09 जुलाई, 2022 के दौरान आयोजित किया गया (राजेन्द्र प्रसाद)।
- भुवन पोर्टल (<https://bhuvan.nrsc.gov.in>) के उपयोग पर वेबिनार-आधारित प्रशिक्षण जिसे इसरो द्वारा 12-14 जुलाई, 2022 के दौरान आयोजित किया गया (अंकुर बिश्वास, पंकज एवं भारती)।
- “बुनियादी सांख्यिकीय तकनीक और आनुवंशिकी में इसका अनुप्रयोग” पर हिंदी कार्यशाला जिसे सांख्यिकी आनुवंशिकी प्रभाग, भाकृअनुप-भाकृसांअसं, नई दिल्ली द्वारा 03-05 अगस्त, 2022 के दौरान आयोजित किया गया (स्नेहा मुर्मू, सौम्या शर्मा एवं ऋत्विचा दास)।
- लोक प्रापण (मूल सिद्धांत) पर एमडीपी प्रशिक्षण कार्यक्रम जिसे अरुण जेटली राष्ट्रीय वित्तीय प्रबंधन संस्थान, फरीदाबाद द्वारा 29 अगस्त-03 सितम्बर, 2022 के दौरान आयोजित किया गया (अलका अरोड़ा)।

प्रदान की गई परामर्शी/सलाहकार सेवाएँ

- रामासुब्रमणियन वी. ने डॉ. मुरलीकृष्णन, वैज्ञानिक, कृषि विस्तार प्रभाग, भाकृअनुप-भाकृसांअसं, नई दिल्ली को बहराइच एवं गुवाहटी जिलों के लिए गत वर्षों के दौरान जून-सितम्बर के महीनों के लिए वर्षा/तापमान की प्रवृत्ति के विश्लेषण के बारे में सलाह दी।
- डॉ. बी. एन. मंडल ने डॉ. बेनुकर बिश्वास, संयुक्त प्रोफेसर, बिधान चन्द्र कृषि विश्वविद्यालय को मौसम चारों की दीर्घकालिक औसत का प्रतिनिधित्व करने हेतु 27 वर्षों के दैनिक मौसम प्राचलों के डेटा प्राचलों के डेटा से एक प्रतिनिधिक वर्ष के चयन में सलाह प्रदान की। प्रतिनिधिक वर्ष का उपयोग एक फसल अनुकार मॉडल के लिए एक इनपुट के रूप में किया जाएगा।
- डॉ. एम. ए. इकबाल ने डॉ. अंजु बाजपाई, भाकृअनुप-सीआईएसएच, लखनऊ को आम फसल में एसएनपी एवं जीडब्ल्यूएस के विश्लेषण के बारे में सलाह प्रदान की।

भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.सां.अ.सं. समाचार

खण्ड 27

संख्या 3

जुलाई-सितम्बर, 2022

- डॉ. सारिका ने डॉ. अर्चन सुमन, प्रमुख वैज्ञानिक, भाकृअनुप-भाकृअसं, नई दिल्ली को मेटाजीनोम डेटा के विश्लेषण के बारे में सलाह प्रदान की।
- डॉ. विशाल गुरुंग ने (i) डॉ. दवा टसेरिंग तमंग, संयुक्त प्राध्यापक, पर्यावरण एवं जीवन विज्ञान विभाग, शेरुबुसे महाविद्यालय, भूटान को अनोवा, सहसंबंध, और उनके डेटा के अनुपात हेतु जेड टेस्ट के बारे में, (ii) डॉ. विसालाक्षी चन्द्र सी, वैज्ञानिक, आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन, फसल सुधार प्रभाग, भाकृअनुप-केंद्रीय कंद फसल अनुसंधान संस्थान (भाकृअनुप-सीटीसीआरआई) को विभिन्न प्राचलों, जैसे कि कंद की लम्बाई, शुष्क पदार्थ तत्व, शर्करा तत्व और उपज तथा 3 बार पुनरावृत्तीय 76 भिन्न जीनप्ररूपों की उपज के संदर्भ में परीक्षणात्मक डेटा हेतु बॉक्सप्लॉट एवं बीएलयूपी प्लॉट के उपयोग के बारे में, और (iii) डॉ. गुंजन तिवारी, वैज्ञानिक, पादप प्रजनन एवं आनुवंशिक संसाधन संरक्षण, सीआईएमएपी, लखनऊ को सहसम्बन्ध से संबद्ध विश्लेषण, जीनप्ररूपी तथा लक्षणप्ररूपी डेटा का प्रयोग कर क्लस्टरिंग और क्रिस-क्रॉस इंटरैक्शन अध्ययन के बारे में सलाह दी।
- डॉ. कौस्तव आदित्य ने (i) श्रीमती तनिष्ठा बर्धन, पीएच.डी. छात्रा, कृषि विस्तार, जीबीपीयूपटी, पंतनगर को क्लासिफिकेशन एवं रिग्रेशन ट्री विश्लेषण और डेटा विश्लेषण हेतु रेन्डम फॉरेस्ट के बारे में, (ii) डॉ. शिरिला दास, वैज्ञानिक, मृदा विज्ञान प्रभाग, भाकृअनुप-भाकृअसं, नई दिल्ली को परीक्षण अभिकल्पना एवं कारक विश्लेषण के बारे में, (iii) डॉ. अमोल घोष, प्रमुख वैज्ञानिक, सस्य विज्ञान प्रभाग, भाकृअनुप-भाकृअसं, नई दिल्ली को टर्की हॉनेस्ट सिग्निफिकेंट डिफरेंस टेस्ट संचालित करने हेतु आरसीबी अभिकल्पना का प्रयोग करके उत्पादित मक्का-मूँग एवं लोबिया फसल प्रणाली के डेटा के विश्लेषण के बारे में, (iv) गौतम परिडा, एम.एससी. छात्र, मृदा विज्ञान प्रभाग, भाकृअनुप-भाकृअसं, नई दिल्ली को आर सॉफ्टवेयर में स्ट्रिप प्लॉट डिजाइन का प्रयोग करके परीक्षणात्मक अभिकल्पनाओं के विश्लेषण के बारे में, और (v) श्री जय प्रकाश अंखी रेड्डी पल्ली, एम.एससी. छात्र, मृदा विज्ञान, भाकृअनुप-भाकृअसं, नई दिल्ली को आर सॉफ्टवेयर में आरसीबीडी अभिकल्पना का प्रयोग कर परीक्षणात्मक अभिकल्पनाओं के विश्लेषण के बारे में सलाह दी।
- डॉ. मोह. हारुन ने श्री अदिल रहीम, पीजी स्कूल, भाकृअनुप-भाकृअसं, नई दिल्ली की जैवप्रौद्योगिकी शाखा का एम. एससी. छात्र को डेटा के विश्लेषण के बारे में सलाह दी। परीक्षण प्रयोगशाला में संचालित किया गया, जहाँ गेहूँ की दो किस्मों की जड़ों को दो भिन्न प्रकार के घोल (पानी एवं स्टेरॉइड) से उपचारित किया गया। डेटा को छः ग्रोथ प्राचलों (जड़ की लम्बाई, जड़ पृष्ठ क्षेत्र, जड़ का फैलाव, जड़ की टिप, जड़ का काँटा और जड़ के व्यास) से संग्रहीत किया गया। इस अध्ययन का उद्देश्य जड़ के विकास पर उपचारों के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए किया गया। प्राथमिक सांख्यिकी के साथ एक-मार्गीय अनोवा एवं सहसंबंध विश्लेषण किया गया।
- डॉ. सारिका साहू ने (i) डॉ. अर्चन सुमन, प्रमुख वैज्ञानिक, भाकृअनुप-भाकृअसं, नई दिल्ली को मेटाजीनोम डेटा के विश्लेषण के बारे में और (ii) श्री निखिल चंद, पीएच.डी. छात्र, सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि विश्वविद्यालय, मेरठ को जैवसूचना विज्ञान के विश्लेषण के बारे में सलाह प्रदान की।
- डॉ. राजीव रंजन कुमार ने (i) श्री शशिकांत दिवाकर, सहायक प्रोफेसर, बीएयू, साबौर को बिहार के भिन्न जिलों के लिए सामाजिक-आर्थिक संकेतकों के डेटा में बहु समाश्रयण समीकरण की फिटिंग पर, (ii) डॉ. महेश राव, वैज्ञानिक, भाकृअनुप-राष्ट्रीय पादप जैवप्रौद्योगिकी संस्थान (एन आई पी बी), पूसा परिसर, नई दिल्ली-110012 को प्रमुख घटक विश्लेषण एवं सहसम्बन्ध विश्लेषण के बारे में सलाह दी।
- डॉ. राहुल बनर्जी ने (i) डॉ. सुधासत्वा मैत्रा मजुमदार, वैज्ञानिक-सी, बेसिक टसर मल्टीप्लीकेशन एंड ट्रेनिंग सेंटर (बी एस एम टी सी), दुमका, झारखंड को कुलिकोइडेस प्रजा- (डिपटेरा: सेराटोपोगोनिडे) के एक्सोफिलिक बंटन का अध्ययन करने हेतु अनोवा एवं पेयर्ड टी टेस्ट संचालित करने और (ii) श्री रोहित महतो, पीएच.डी. छात्र (आनुवंशिकी), बीएचयू, वाराणसी को एसपीएसएस सॉफ्टवेयर का प्रयोग करके सीआरडी लेआउट में बहुउपादानी परीक्षणों के विश्लेषण के बारे में सलाह प्रदान की।

पुरस्कार एवं अभिज्ञान

पुरस्कार

अनिल कुमार

- बाढ़ को रोकने और जलागम अवसादन पर *भारतीय मृदा संरक्षण जर्नल* में प्रकाशित निम्नलिखित शोध पत्र के लिए बीएचयू, रांची में 22-24 सितम्बर, 2022 के दौरान आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में **सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र पुरस्कार** प्राप्त किया।
 - सुरेश कुमार, डी. आर. सिंह, बी. मॉन्डल एवं अनिल कुमार (2021)। भारत के अर्द्ध-शुष्क उष्णकटिबंधों में बहु मृदा एवं जल संरक्षण प्रौद्योगिकियों के अंगीकरण को प्रभावित करने वाले कारक एवं फार्म स्तरीय निवेश। *भारतीय मृदा संरक्षण जर्नल*, **49(2)**, 130-138।

रामासुब्रमणियन वी.

- “स्थायी विकास लक्ष्यों की दिशा में कृषि और खाद्य प्रणाली में उन्नयन” पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में आयोजित ‘वैश्विक एवं क्षेत्रीय नीति संचारण’ सत्र में **दूसरा स्थान** प्राप्त किया, जिसे कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, बेंगलुरु ने भाकृअनुप और अखिल भारतीय कृषि छात्र संघ, नई दिल्ली के साथ संयुक्त रूप से 22-24 अगस्त, 2022 के दौरान आयोजित किया।
- जी. अविनाश*, रामसुब्रमण्यम वी., मृण्मय रे और नितेश शर्मा। कृषि शेयर बाजार की भविष्यवाणी के लिए जनरेटिव एडवरसैरियल नेटवर्क (जीएएन)।

रत्ना प्रभा

- जैवप्रौद्योगिकीय प्रवृत्तियां एवं संभावनाएं पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में “सफेद पेकिन एवं खाकी कैम्पबेल बत्तरखों के जननग्रन्थि क्षेत्र में मेटाजीनोमिक इनसाइट्स” के लिए **सर्वश्रेष्ठ मौखिक पुरस्कार** प्राप्त किया, जिसे कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, जीकेवीके, बेंगलुरु द्वारा 13-15 सितम्बर, 2022 के दौरान आयोजित किया गया।

स्नेहा मुर्मू

- “बेहतर आजीविका एवं पर्यावरण सुरक्षा के लिए कृषि, पशुचिकित्सा एवं संबद्ध विज्ञानों में उन्नयन” (ए ए वी ए एस आई एल ई एस-2022) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में **सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुतीकरण पुरस्कार** प्राप्त किया, जिसे भाकृ अनुप-आईजीएफआर, आरआरएस, श्रीनगर, भाकृअनुप-एनएएचईपी, बीएयू, रांची एवं एनएडीसीएल, बारामुला द्वारा कश्मीर विश्वविद्यालय, हजरतबल में 30 सितम्बर, 2022 को ऑनलाइन मोड में संयुक्त रूप से आयोजित किया।

मो.यासीन

- कृषि एवं पर्यावरण प्रौद्योगिकी विकास सोसायटी (ईईटीडीएस) से **युवा वैज्ञानिक पुरस्कार (2022)** प्राप्त किया (पुरस्कार डाक से प्राप्त किया)।

हमारे भूतपूर्व छात्रों को बधाई

- हम डॉ. तनुज मिश्रा, पीएच.डी. छात्र, संगणक अनुप्रयोग शाखा को जवाहरलाल नेहरू पुरस्कार प्राप्त करने तथा भाकृ अनुप-भाकृसांअसं में पूर्व संकाय डॉ. ए. आर. राव को भाकृअनुप से रफी अहमद किदवई पुरस्कार प्राप्त करने के लिए बधाई देते हैं। पुरस्कार 16 जुलाई, 2022 को दिए गए।



अभिज्ञान राजेन्द्र प्रसाद

- सम्मानित अतिथि, सांख्यिकी सॉफ्टवेयरों का प्रयोग करके वृहत् डेटा विश्लेषण एवं अनुसंधान विधियों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन समारोह, जिसे सांख्यिकी एवं संगणक विज्ञान द्वारा आईडीपी के तत्वावधान के तहत एसकेयूपएसटी-जम्मू, जम्मू में 26 जुलाई-01 अगस्त, 2022 के दौरान आयोजित किया गया।

VC SKUAST Jammu inaugurates training programme on big data analysis

Says "Big Data analysis crucial for future planning"

K M News Service

JAMMU JULY 26: The division of Statistics and Computer Science has organised a one week training programme on Big Data Analysis and Research Methods using Statistical Software.

The Chief Guest of the function, Prof. J. P. Sharma- Vice Chancellor, SKUAST-Jammu, in his address to august gathering and especially students deliberated that the proper statistical procedure should be followed for drawing conclusions for scientific research.

"In the present era, more data will be collected about our daily life than ever before. The large datasets cannot easily be analyzed by hand; the use of statistical software will make data processing more convenient" he maintained.

The Guest of honor, Dr. Rajender Parsad, Director IASRI, New Delhi, in his address underscored the need for more

precise statistical tools to assess the impact and challenge the demand of the future in terms of policy and planning at regional and National Level.

He also briefed about the importance of data analysis in the field of agriculture and stressed on using proper statistical methodology and delivered the special lecture.

The Associate Coordinator, Prof. Vikas Sharma briefed the audience about IDP and its role regarding institutional development in terms of NEP 2020.

The Convener of the workshop, Prof. Manish Sharma, Head of the division, gave a detailed presentation about the importance of training programme.

"The main motto of this training is to encourage students to understand basic and latest methodologies of statistics and their analysis through different softwares" he said and added that these would be used in research to showcase their talent

at national and global level. He also briefed the audience about other activities conducted in the division during the National Statistics Day celebration as per the announcement made by MOSPI under the aegis of Azadi Ka Amrit Mahotsav.

The function was attended by Prof. Pradeep Wali Director Research, Prof. R. K. Nanda Director Education, Prof. A. K. Mondal, Dean Agriculture, Prof. S. E. H. Ravi, Dean F&Sc, Prof. R. K. Salotra Coordinator School of Biotechnology, Prof. A. K. Sharma, University Librarian.

The staff of the division including Dr. Sunali Mahajan, Prof. H. K. Pankaj, Dr. R. Pankaj, Dr. Monika Sood, Dr. Manmohan, Dr. Narinder Panotra and the IDP team helped to organize the function.

The proceedings of the function were conducted by Dr. Vivek M. Arja Associate Professor, Division of Soil Science and Formal vote of thanks was presented by organizing Secretary Dr. M. Iqbal Jelanai.

VC SKUAST-J terms Big Data crucial for future planning

TNN BUREAU

JAMMU: The division of Statistics and Computer Science has organised a training programme on Big Data Analysis and Research Methods using Statistical Softwares under the aegis of IDP Sher-e-Kashmir University of Agricultural Sciences & Technology of Jammu (SKUAST-J).

The Chief Guest of the function, Prof. J. P. Sharma- Vice Chancellor, SKUAST-Jammu, in his address to august gathering and especially students deliberated that the proper statistical procedure should be followed for drawing conclusions for scientific research.

"In the present era, more data will be collected about our daily life than ever before. The large datasets cannot easily be analyzed by hand; the use of statistical software will make data processing more convenient" he maintained.

The Guest of honor, Dr. Rajender Parsad, Director IASRI, New Delhi, in his address underscored the need for more precise statistical tools to assess the impact and challenge the demand of the



future in terms of policy and planning at regional and National Level. He also briefed about the importance of data analysis in the field of agriculture and stressed on using proper statistical methodology and delivered the special lecture.

The Associate Coordinator, Prof. Vikas Sharma briefed the audience about IDP and its role regarding institutional development in terms

- सदस्य, फसल सुधार के लिए स्पीड ब्रीडिंग पर एग्रीटेक हैकथन के संचालन के लिए भाकृअनुप द्वारा गठित समिति।
- सदस्य, विहित प्रपत्र में प्राप्त सूचना के आधार पर कृषि विश्वविद्यालयों की रैंकिंग के लिए भाकृअनुप द्वारा गठित समिति।
- सदस्य, सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा अधिष्ठापित पुरस्कारों की समीक्षा/युक्तिकरण करने हेतु पुरस्कार समीक्षा समिति।

भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.सां.अ.सं. समाचार

खण्ड 27

संख्या 3

जुलाई-सितम्बर, 2022

- **मॉडरेटर**, फसल आकलन पद्धति पर राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान फसल आकलन में राज्यों द्वारा अपनाई गई सर्वश्रेष्ठ विधियों व रीतियों पर सत्र, जिसे अर्थशास्त्र एवं सांख्यिकी निदेशालय द्वारा ए पी सिंदे सिम्पोजियम हाल, एनएएससी परिसर, पूसा, नई दिल्ली में 13 जुलाई, 2022 को आयोजित किया गया।
- **सम्मानित अतिथि**, आर का प्रयोग करके कृषि प्रणाली मॉडलिंग एवं पूर्वानुमान के लिए सांख्यिकीय और मशीन लर्निंग तकनीकों पर **डीएसटी-एसईआरबी** प्रायोजित कार्यशाला का उदघाटन समारोह, जिसे भाकृअनुप-भारतीय चावल अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद द्वारा दिनांक 18-30 जुलाई, 2022 के दौरान आयोजित किया गया।
- **अध्यक्षता**, आतिथ्य-सत्कार एवं पर्यटन - पुनरुद्धार रणनीतियां पर दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के भाग के रूप में आयोजित **शिक्षा एवं अनुप्रयुक्त विज्ञानों** पर तकनीकी सत्र, होटल प्रबंधन, खानपान एवं पोषाहार संस्थान, पूसा, नई दिल्ली द्वारा 24-26 अगस्त, 2022 के दौरान आयोजित किया गया।
- **सदस्य**, भाकृअनुप-एनआईपीबी संस्थान प्रबंधन समिति।

अनिल राय

- **अध्यक्ष**, जम्मू एवं कश्मीर संघ राज्य क्षेत्र में कृषि और संबद्ध क्षेत्रों के समग्र विकास के लिए परिपूर्ण कृषि नीति बनाने हेतु संघ राज्य स्तरीय शीर्ष समिति (यूटीएलएसी) को सहायता प्रदान करने के लिए डिजिटल/हाइ-टेक एग्रीकल्चर तकनीकी कार्यसमूह।

तौकीर अहमद

- श्री जी. भुजबल, वरिष्ठ परामर्शदाता एवं पूर्व एस एवं एफ की अध्यक्षता में प्रसंस्करण के स्तर के प्रस्तावित अध्ययन के आरएफपी के लिए मूल्यांकन एवं सुझावों हेतु बैठकों (ऑनलाइन) में भाग लेने के लिए खाद्य प्रसंस्करण उद्योग (एमओएफपीआई) द्वारा **विषय विशेषज्ञ** के रूप में नामित जिसे एमओएफआई द्वारा आयोजित किया गया।

परियोजनाएं/स्कीमें/कार्यक्रम/जनगणना/प्रतिदर्श सर्वेक्षण/ मूल्यांकन अध्ययन/विकसित सॉफ्टवेयर/नई शुरु की गई परियोजनाएं/ पूर्ण की गई परियोजनाएं नई परियोजनाएं

- 'दो स्तरीय प्रतिचयन के तहत ड्यूअल फ्रेम सर्वेक्षणों में एक रिग्रेशन टाइप आकलन, 01 अगस्त, 2022 से (भारती, कौस्तव आदित्य, दीपक सिंह, राहुल बनर्जी)।

कॉपीराइट को मंजूरी/एमओयू/हस्ताक्षरित एलओए एमओयू/हस्ताक्षरित एलओए

- आईडीईए (एसोसिएशन ऑफ इनोवेशन डेवलपमेंट फॉर इंटरप्रिन्योरशिप इन एग्रीकल्चर), एग्री-इनोवेशन सेंटर, भाकृ अनुप-नार्म के साथ 08 जुलाई, 2022 को एमओयू।

भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.सां.अ.सं. समाचार

खण्ड 27

संख्या 3

जुलाई-सितम्बर, 2022

कार्मिक

पदोन्नति / नया दायित्व / नया कार्यभार ग्रहण करने वाले निम्न कार्मिकों को बधाई

| नाम | पदनाम | प्रभावी तिथि |
|---------------------|-----------------------------|--|
| श्रीमती सूरत राम | प्रधान निजी सचिव | 02 अगस्त, 2022 |
| श्रीमती उमीता अहूजा | प्रधान निजी सचिव | 03 अगस्त, 2022 (भाकृअनुप-एनआईएपी, नई दिल्ली से स्थानांतरित होने के बाद) |
| श्री दिनेश कुमार रे | तकनीकी अधिकारी (टी-3) | 23 अगस्त, 2022, 01 जनवरी, 2021 से |
| श्री अक्षय धीरज | वैज्ञानिक (संगणक अनुप्रयोग) | 01 सितम्बर, 2022 (भाकृअनुप-भारतीय मृदा एवं जल संरक्षण संस्थान, देहरादून से स्थानांतरण के बाद कार्यभार ग्रहण) |
| श्रीमती अलका नायर | निजी सचिव | 08 सितम्बर, 2022 |

सेवानिवृत्त जीवन के लिए निम्न कार्मिकों को शुभकामनाएँ

| नाम | पदनाम | प्रभावी तिथि |
|------------------------|----------------------|------------------|
| श्री सूरत राम | पी.पी.एस. | 31 अगस्त, 2022 |
| श्रीमती ज्योति गंगवानी | मुख्य तकनीकी अधिकारी | 01 सितम्बर, 2022 |

स्थानांतरण/प्रतिनियुक्ति/त्यागपत्र/कार्यभार से मुक्त निम्न कार्मिक

| नाम | पदनाम | प्रभावी तिथि |
|-----------------------|--------------------|--|
| श्री विशाल लखनपाल | सहा. प्रशा.अधिकारी | 30 जुलाई, 2022 (अल्पसंख्यक आयोग, सीजीओ कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली में प्रतिनियुक्ति पर) |
| डॉ. बी. एन. मंडल | वरिष्ठ वैज्ञानिक | 20 अगस्त, 2022 (भाकृअनुप-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, झारखंड में स्थानांतरित) |
| सुश्री सपना निगम | वैज्ञानिक | 31 अगस्त, 2022 (सात महीनों के अध्ययन अवकाश पर: 01 सितम्बर, 2022 – 31 मार्च, 2023) |
| श्री हनुमान सहाय मीणा | एल.डी.सी. | 30 सितम्बर, 2022 (भाकृअनुप-केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान, अविकानगर, राजस्थान को स्थानांतरित) |

भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.सां.अ.सं. समाचार

खण्ड 27

संख्या 3

जुलाई-सितम्बर, 2022



संकलन एवं संपादन:

राजेन्द्र प्रसाद, अजीत एवं रामासुब्रमणियन वी.

तकनीकी सहायता:

नेहा नारंग, सुनीता, अनिल कुमार एवं वी. पी. सिंह

प्रकाशक

निदेशक, भाकृअनुप-भारतीय कृषि सांख्यिकी अनुसंधान संस्थान,
लाइब्रेरी एवेन्यू, पूसा, नई दिल्ली – 110 012 (भारत)

ई-मेल: director.iasri@icar.gov.in

दूरभाष: +91 11 25841479 ; फ़ैक्स: 91 11 25841564

वेबसाइट : <https://iasri.icar.gov.in/>



हर कदम, हर डगर
किसानों का हमसफर
भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद

Agr&search with a human touch



एक कदम स्वच्छता की ओर